डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -09 अंक -121 | प्रयागराज ,बुधवार,19,जुलाई, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर में तेंदुए ने 12 लोगों को किया घायल, दहशत में स्थानीय लोग

(आधुनिक समाचार सेवा)
जम्मू । जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सोमवार को एक तेंदुए के उत्पात से कम से कम 12 लोग घायल हो गए।

अधिकारियों ने अपनी जानकारी में बताया कि यह घटना दक्षिण कश्मीर जिले के पहलगाम इलाके के सल्लर गांव में हुई। दरअसल तेंदुआ वन क्षेत्र से बाहर निकला जिसके बाद आचानक से लोगों पर हमला कर दिया जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सोमवार को एक तेंदुए के उत्पात से कम से कम 12 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने अपनी जानकारी में बताया कि यह घटना दक्षिण कश्मीर जिले के पहलगाम इलाके के सल्लर गांव में हुई। गौरतलब है कि तेंदुआ वन क्षेत्र से बाहर निकला जिसके बाद आचानक से लोगों पर हमला कर दिया। जिस कारण स्थानीय लोग अभी भी दहशत में है इस हमले के दौरान आस पास के लोगों में हड़कंप मच गया। गौरतलब है कि हमले के दौरान 12 लोग घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें अनंतनाग के जीएमसी रेफर कर दिया गया।

ओलंपियन मीराबाई चानू ने की पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से अपील

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।मणिपुर में हिंसा पर अब तक काबू पाया नहीं जा सका है। ऐसे में मणिपुर के हालातों को लेकर ओलंपिक पदक विजेता वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से अपील की है। उन्होंने मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने का आग्रह किया है। बता दें कि मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच भड़की जातीय हिंसा में अब तक 150 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

पोर्ट ब्लेयर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का करेंगे उद्घाटन, पीएम मोदी आर्थिक विकास को मिलेगी रफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पोर्ट ब्लेयर में वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पोर्ट ब्लेयर में वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे। सिंधिया ने कहा कि इससे अंडमान-निकोबार द्वीप समूह का आर्थिक विकास होगा। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पोर्ट ब्लेयर पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि आज

टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे। इस नए टर्मिनल भवन का निर्माण 710 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है। इससे केंद्र शासित प्रदेश में कनेक्टिविटी को रफ्तार मिलेगी। इस नए टर्मिनल भवन का निर्माण 710 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है। इससे केंद्र शासित प्रदेश में कनेक्टिविटी को रफ्तार मिलेगी। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य अंडमान-निकोबार द्वीप समूह से 710 करोड़ रुपए का एयरपोर्ट भारत को समर्पित किया जा रहा है। इससे दिल्ली-चेन्नई-विशाखापट्टनम के लिए कनेक्टिविटी होगी और आने वाले दिनों में इससे भी ज़्यादा कनेक्टिविटी बढ़ेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसके साथ ही चार वाटर ड्रोन भी स्थापित किए जाएंगे। इससे अंडमान-निकोबार द्वीप समूह का आर्थिक विकास होगा। बता दें कि नए टर्मिनल भवन करीब 40,800 वर्ग मीटर में फैला हुआ है। नए टर्मिनल भवन सालाना लगभग 50 लाख यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा। इसके साथ ही पोर्ट ब्लेयर एयरपोर्ट पर 80 करोड़ रुपये की लागत से दो बोइंग-767-400 और दो एयरबस-321 प्रकार के विमानों के लिए उपयुक्त एक एप्रन का भी निर्माण किया गया है। इससे एयरपोर्ट पर एक साथ 10 विमानों को पार्क किया जा सकेगा।र्ट ब्लेयर एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल भवन को शंख का आकार दिया गया है। ये समुद्र और द्वीपों को दर्शाती है। पूरे टर्मिनल में प्रतिदिन 12 घंटे के लिए 100 प्रतिशत प्राकृतिक रोशनी होगी, जो छत पर लगे रोशनदानों से मिलेगी। नए टर्मिनल भवन में 28 चेक-इन काउंटर, तीन यात्री बोर्डिंग ब्रिज सहित अन्य सुविधाएं मौजूद हैं।

शिवगंगा में एक खुली जेल का अद्भुत नजारा, खेती से लेकर फल-सब्जियां उगाते नजर आए 50 कैदी

(आधुनिक समाचार सेवा)
तमिलनाडु। तमिलनाडु के शिवगंगा में एक खुली जेल का नजारा देख आप भी हैरान हो जाएंगे। यहां लगभग 50 कैदियों को कृषि भूमि कैदियों (50 ज़ेदही) को कृषि भूमि पर खेती करने के लिए लाया गया है।ये सभी कैदी जैविक तरीके से गन्ना नारियल के पेड़ अमरूद के पेड़ और सब्जियां उगाते हैं। इसके मुर्गियों की देखभाल के अलावा कचरे का भी ख्याल रखते हैं। साथ ही प्राकृतिक खाद भी तैयार करते हैं।जेल के डीआइजी ने आगे बताया की 'इस गतिविधि

पर खेती करने के लिए लाया गया है। इन सभी कैदियों को जेल में सही व्यवहार रखने के आधार पर लाया गया है। इसको लेकर जेल के डीआइजी पलानी ने कहा, 'कैदियों का चयन जेल में उनके व्यवहार के आधार पर किया गया है। तमिलनाडु के शिवगंगा में एक खुली जेल में लगभग 50 अलावा वे गाय बकरी और मुर्गियों की देखभाल के अलावा कचरे का भी ख्याल रखते हैं। साथ ही प्राकृतिक खाद भी तैयार करते हैं।पलानी ने बताया की ये सभी कैदी जैविक तरीके से गन्ना, नारियल के पेड़, अमरूद के पेड़ और सब्जियां उगाते हैं। इसके अलावा, वे गाय, बकरी और से कैदियों को सजा के बाद समाज से आसानी से जुड़ने में मदद मिलेगी। इसका उद्देश्य कम कीमत पर अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री का उत्पादन करना है जिसे जनता के लिए जेल और बाजार में भेजा जाता है। इस गतिविधि के लिए कैदियों को वेतन दिया जाता है।

एम के स्टालिन के मंत्री से ईडी ने आठ घंटे तक की पूछताछ

(आधुनिक समाचार सेवा)
चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री व द्रमुक नेता के. पोनमुदी और उनके सांसद पुत्र गौतम सीगामणि के ठिकानों पर छापे मारे। पिता-पुत्र के ठिकानों पर यह छापेमारी बालू के अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग (धन को अवैध रूप से विदेश भेजने) के मामले में हुई है। एजेंसी मंत्री को पूछताछ के लिए रात में अपने कार्यालय में ले गई हालांकि, 8 घंटे से अधिक की पूछताछ के बाद तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री के. पोनमुदी चेन्नई में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्यालय से निकल गए हैं। ईडी ने के. पोनमुदी को कल शाम 4 बजे एजेंसी कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा है।सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसी को मंत्री के ठिकाने से 70 लाख रुपये नकद और कुछ पाउंड मिले हैं। अधिकारियों ने छापों के संबंध में पिता और पुत्र के बयान दर्ज कर लिए हैं। तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार में 72 वर्षीय पोनमुदी की हैसियत मुख्यमंत्री के बाद नंबर दो की है। परिवहन मंत्री सेंथिल बालाजी के बाद पोनमुदी तमिलनाडु सरकार के दूसरे मंत्री

हैं जो केंद्रीय एजेंसी के निशाने पर आए हैं।बालाजी के ठिकानों पर छापेमारी के बाद ईडी ने उन्हें जून में गिरफ्तार किया था। उन्हें नौकरी देने के बदले धन लेने के मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया गया था। सोमवार को ईडी के छापे की कार्रवाई चेन्नई के दो ठिकानों और पोनमुदी के प्रभाव वाले विलुपुरम इलाके में हुई। एजेंसी की कार्रवाई में सहयोग के लिए सीआरपीएफ के जवानों की टुकड़ी भी साथ थी।कार्रवाई में ईडी ने कुछ दस्तावेज भी जब्त किए हैं। आने वाले दिनों में उनकी जांच की जाएगी। पोनमुदी विलुपुरम जिले की तिरुकोइलूर सीट से विधायक हैं और उनके बेटे सीगामणि कालाकुरिची से सांसद हैं। द्रमुक अध्यक्ष व मुख्यमंत्री स्टालिन ने ईडी की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया है। कहा है कि ईडी चुनाव अभियान में शामिल हो गया है और उसी के मद्देनजर कार्रवाई कर रहा है।स्टालिन ने कहा, पोनमुदी के खिलाफ झूठा मामला बनाया गया है। इसके लिए 13 वर्ष पूर्व के घटनाक्रम को आधार बनाया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई को गलत बताया है। स्टालिन सोमवार को बेंगलुरु में संयुक्त विपक्ष की बैठक में शामिल हुए थे।

23 दिनों के सत्र में होंगी 17 बैठकें, यूसीसी समेत कई मुद्दों पर सरकार को घेरेंगे

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र से पहले उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ द्वारा मंगलवार शाम 7 बजे राज्यसभा में पार्टियों के नेताओं के साथ बुलाई गई बैठक को पुनर्निर्धारित किया गया है। आप को बता दें कि संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा और 11 अगस्त तक चलेगा। संसद के मानसून सत्र से पहले उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ द्वारा मंगलवार शाम 7 बजे राज्यसभा में पार्टियों के नेताओं के साथ बुलाई गई बैठक को पुनर्निर्धारित किया गया है। आप को बता दें कि संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा और 11 अगस्त तक चलेगा।

नीतीश के खिलाफ बेंगलुरु की सड़कों पर लगे बैनर; पुलिस ने हटाया

(आधुनिक समाचार सेवा)
कर्नाटक। बेंगलुरु की सड़कों पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधने वाले पोस्टर और

बैनर लगाए गए। ये सभी बैनर बेंगलुरु के चालुक्य सर्कल, विंडसर मैनर ब्रिज और हेब्बाल के पास एयरपोर्ट रोड पर लगाए गए है।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसने के लिए बेंगलुरु की सड़कों पर कई पोस्टर लगाए गए है। इन पोस्टर में भागलपुर ब्रिज के दोनों बार गिरने की तारीख का जिक्र किया गया है। बता दें पटना हुई विपक्षी पार्टियों की बैठक के बाद अब बेंगलुरु में दूसरी बैठक हो रही है। हालांकि, चालुक्य सर्कल से पुलिस कर्मियों ने बैनर हटा दिए है। संयुक्त विपक्ष की बैठक के दूसरे दिन से पहले पूरे बेंगलुरु में इस स्थान सहित कई स्थानों पर नीतीश कुमार पर निशाना साधने वाले पोस्टर और बैनर लगाए गए थे। इन पोस्टर में भागलपुर ब्रिज के दोनों बार गिरने की तारीख का जिक्र किया गया है। बता दें, पटना में हुई विपक्षी पार्टियों की बैठक के बाद अब बेंगलुरु में दूसरी बैठक हो रही है। इस बैठक में बिहार के दो बड़े नेता लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार शामिल होंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए इस बैठक में लगभग दो दर्जन विपक्षी पार्टियां शामिल हो रही हैं। नीतीश पर तंज कसने वाले इस पोस्टर से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ भी कई पोस्टर लगाए गए थे, जिसमें उन्हें देवदास के रूप में दिखाया गया था। इन पोस्टर में फिल्म देवदास के डायलॉग लिखे हुए थे। पोस्टर में एक तरफ शाहरुख खान और दूसरी तरफ राहुल गांधी की तस्वीर लगाई गई थी। इस पोस्टर में राहुल गांधी को रियल लाइफ का देवदास बताया गया था। पोस्टर में देवदास फिल्म के डायलॉग लगा कर कांग्रेस पर तंज कसने की कोशिश की गई थी।

100 से अधिक जवानों की जान लेने वाले चार नक्सलियों ने किया समर्पण, 2 गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा में पुलिस को बड़ी सफलता मिली। दो नक्सली दंपत्ति ने किया आत्म समर्पण किया जिसपर बीस लाख का इनाम घोषित था। दंतेवाड़ा पुलिस के द्वारा चलाए जा रहे लोन वर्रा टू अभियान से प्रभावित होकर चारो नक्सलियों ने दंतेवाड़ा में पुलिस और सीआरपीएफ के अधिकारियों के सामने आत्म समर्पण किया। समर्पण करने वाले नक्सली पीएलजीए बटालियन नंबर एक छोटू पर आठ लाख का इनाम घोषित था जो दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा जिले की बड़ी नक्सली वारदातों में शामिल था।दंतेवाड़ा में पुलिस को बड़ी सफलता मिली। दो नक्सली दंपत्ति ने किया आत्म समर्पण किया जिसपर बीस लाख का इनाम घोषित था। दंतेवाड़ा पुलिस के द्वारा चलाए जा रहे लोन वर्रा टू अभियान से प्रभावित होकर चारो नक्सलियों ने दंतेवाड़ा में पुलिस और सीआरपीएफ के अधिकारियों के सामने आत्म समर्पण किया। समर्पण करने वाले नक्सली पीएलजीए बटालियन नंबर एक छोटू पर आठ लाख का इनाम घोषित था।वहीं छोटू की पत्नी पर भी तीन लाख का इनाम

घोषित था। पीएलजीए मिलट्री प्लाटून 31 नंबर के नक्सली कोशा उर्फ मासा पर भी आठ लाख का इनाम घोषित था। इसकी पत्नी आयते पर भी एक लाख का इनाम घोषित था पति के साथ उसने भी आत्म समर्पण कर दिया। समर्पित नक्सली इन वारदातों में शामिल वर्ष 2020 पामेड़ क्षेत्र में वारदात जिसमें चार पुलिस जवान बलिदान हुए थे। वर्ष 2020 में चिंतागुफा थाना क्षेत्र के मिनपा में वारदात 17 जवान बलिदान हुए थे। वर्ष 2022 में उसुर थाना क्षेत्र में नक्सली घटना करने में शामिल थे जिसमें एक जवान बलिदान हुए थे और 15 तहकवाड़ा में। रानीबोदली हमले में भी थे शामिल थे जिसमें 55 जवान बलिदान हुए थे। समर्पित नक्सली कोशा खूंखार नक्सली हिड़मा का गार्ड भी रह चुका है, कोशा एसएलआर लेकर नक्सली प्लाटून में रहता था नक्सली दंपत्ति ने किया खुलासा नक्सली दंपत्ति ने खुलासा किया कि लगातार कैंपों के खुलने व पुलिस की आपरेशन कार्रवाई से बटालियन सहित सक्रिय नक्सली संगठनों छोड़कर भाग रहें हैं। बड़े नक्सली शोषण करते हैं। आत्म समर्पित नक्सलियों को 25-25 हजार रुपये दंतेवाड़ा एसपी द्वारा राशि दी जाएगी। वहीं प्रत्येक को 10-10 हजार व दैनिक उपियोगी सामग्री उपलब्ध करवाई गई। दंतेवाड़ा में अब तक 609 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं, जिसमें 157 इनामी नक्सली भी शामिल है। सुरक्षा बल ने दो इनामी नक्सल आरोपितों को गिरफ्तार किया सुरक्षा बल ने रविवार को पामेड़ क्षेत्र से दस-दस हजार रुपये के इनामी दो नक्सल आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पामेड़ थाना से कोबरा 204 की संयुक्त टीम ने धरमाराम, सापेड़ की ओर सर्चिंग पर गई थी। इस दौरान धरमाराम के जंगल से सुरक्षा बल पर हमले के आरोपित दो फरार नक्सल मिलिशिया सदस्यों को गिरफ्तार किया।

फिर बदली जाएगी चंद्रयान कक्षा, पृथ्वी के चक्कर लगाते हुए चंद्रमा की ओर बढ़ रहा अपना यान

(आधुनिक समाचार सेवा)
बेंगलुरु। चांद से मिलने गया अपना यान उम्मीद के मुताबिक आगे बढ़ रहा है। चंद्रयान-3 की कक्षा फिर

बदली गई है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को एक बार फिर कक्षा बदलने की प्रक्रिया (अर्थबाउंड-फाय□रग-2) सफलतापूर्वक पूरा कर चंद्रयान-3 को पृथ्वी की अगली और बड़ी कक्षा में भेज दिया है। चंद्रयान-3 को प्रक्षेपण के बाद जिस कक्षा में डाला गया था वह पृथ्वी से सबसे नजदीक होने पर 170 किलोमीटर और पृथ्वी से सबसे दूर होने पर 36500 किलोमीटर की दूरी पर है। इसके बाद शनिवार को भी कक्षा बदली गई थी। बेंगलुरु में इसरो के विज्ञानी चंद्रयान-3 से जुड़े आनबोर्ड थ्रस्टर्स को फायर कर यान को पृथ्वी से दूर विभिन्न कक्षाओं में लेकर जाएंगे। इसरो ने सोमवार को कहा, 'यान अब 41603 किलोमीटर ` 226 किलोमीटर की कक्षा में है'। इसका मतलब यह है कि चंद्रयान-3 अब जिस कक्षा में है वह पृथ्वी से सबसे नजदीक होने पर 226 किलोमीटर और पृथ्वी से सबसे दूर होने पर 41603 किलोमीटर की दूरी पर है। मंगलवार को दोपहर दो से तीन बजे के बीच कक्षा फिर बदली जाएगी।-3 को प्रक्षेपण के बाद जिस कक्षा में डाला गया था वह पृथ्वी से सबसे नजदीक होने पर 170 किलोमीटर और पृथ्वी से सबसे दूर होने पर 36,500 किलोमीटर की दूरी पर है। इसके बाद शनिवार को भी कक्षा बदली गई थी। बेंगलुरु में इसरो के विज्ञानी चंद्रयान-3 से जुड़े आनबोर्ड थ्रस्टर्स को फायर कर यान को पृथ्वी से दूर विभिन्न कक्षाओं में लेकर जाएंगे।

भारत-चीन सीमा पर स्टील के कचरे से बनेंगी सड़कें

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली।केंद्रीय मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन सीमा के पास मजबूत और अधिक टिकाऊ सड़कें बनाने के लिए स्टील उत्पादन के दौरान उत्पन्न इस्पात

के कचरे (स्टील स्लैग) का उपयोग किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन सीमा के पास मजबूत और अधिक टिकाऊ सड़कें बनेंगी। स्टील स्लैग की आपूर्ति टाटा स्टील द्वारा निशुल्क की गई और भारतीय रेलवे द्वारा जमशेदपुर से अरुणाचल प्रदेश तक पहुंचाई गई। अब इस्पात का इस्तेमाल कर आगे क्षेत्र के लिए भी सड़कें बनाई जाएंगी।सड़क निर्माण के लिए 'स्टील स्लैग' का उपयोग करने की तकनीक वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (ण्एंं) केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (ण्ंघ्) द्वारा विकसित की गई थी, जिसका मकसद स्टील संयंत्रों द्वारा उत्पन्न स्लैग (इस्पात के कचरे) की समस्या का समाधान करना है।यहां साीएसाआाइआार-सीआरआरआइ का दौरा करने वाले सिंह ने कहा कि स्टील स्लैग के उपयोग वाली सड़कें न केवल पारंपरिक पक्की सड़क की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत सस्ती हैं, बल्कि अधिक टिकाऊ होने के साथ ही मौसम की अनिश्चितताओं को भी आसानी से झेल सकती हैं।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले साल जून में, गुजरात का सूरत संसाधित स्टील स्लैग रोड बनाने वाला देश का पहला शहर बन गया। इस्पात संयंत्रों में स्टील बनाने की प्रक्रिया के दौरान अयस्क से पिघली अशुद्धियों से 'स्लैग' बनता है। मंत्री ने कहा कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन सीमा क्षेत्र के पास टिकाऊ एवं बेहद मजबूत सड़क निर्माण के लिए स्टील स्लैग का उपयोग किया है।

प्रयागराज वाहन की टक्कर से राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत, किया गया अंतिम संस्कार

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। प्रयागराज के सोरांव में वाहन की टक्कर से एक राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची इलाकाई ने पुलिस व वन विभाग की टीम ने अंतिम संस्कार किया। मिली जानकारी के अनुसार प्रयागराज के सोरांव थाना क्षेत्र के श्यामा गेस्ट हाउस शिवगढ़ के सामने अज्ञात वाहन की टक्कर से राष्ट्रीय पक्षी मोर की मौत हो गई। सूचना पर सोरांव पुलिस व वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची पुलिस व वन विभाग की टीम ने राजकीय सम्मान के साथ राष्ट्रीय पक्षी मोर का अंतिम संस्कार किया।

बाबा विश्वनाथ को जल चढ़ाने के बाद गंगा स्नान करते समय डूबने से कांवड़िए की मौत, मचा कोहराम

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। बाबा विश्वनाथ को जल चढ़ाने के लिए कांवर लेकर गए एक

कांवड़िये की वाराणसी के अस्सी घाट पर स्नान करते समय गंगा में डूबने से मौत हो गई। घटना की जानकारी परिवार वालों को हुई तो मानों उनके ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए घर पर भारी भीड़ जमा हो गई। मूल रूप से प्रयागराज के नीम सराय मुंडेरा धूमनगंज का निवासी राहुल केशरवानी (21) अपने 10 साथियों के साथ प्रयागराज से बाबा काशी विश्वनाथ में जल चढ़ाने के लिए गया था। दर्शन-पूजन के बाद सभी अस्सी घाट पहुचे और गंगा स्नान करने लगे। इस दौरान राहुल गहरे पानी में जाने से डूब गया। साथी सुनील ने बताया कि हम लोग अस्सी घाट पर स्नान कर रहे थे तभी राहुल डूबने लगा। हमने बचाने का पूरा प्रयास किया, लेकिन वह गहरे पानी में समा गया। राहुल घर में सबसे बड़ा है। उसका एक छोटा भाई है। राहुल के पिता पप्पू चाट की दुकान लगाते हैं। राहुल भी पढ़ाई के साथ-साथ अपने पिता के दुकान में हाथ बताता था राहुल का एक छोटा भाई है जो अभी पढ़ाई कर रहा है।

मेजा में घरेलू विवाद में भतीजे ने की चाचा की हत्या, मचा हड़कंप

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। प्रयागराज मेजा के लोटाढ़ गांव में घरेलू विवाद में एक युवक ने पीटकर अपने चाचा की

हत्या कर दी। जिससे हड़कंप मच गया। वारदात को अंजाम देने के बाद भतीजा फरार हो गया। सूचना पर पहुंची इलाकाई पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर मेजा थाना क्षेत्र के लोटा गांव में घरेलू विवाद में भतीजे गुंडा पुत्र इंदराज ने अपने चाचा इतराज उर्फ अन्ना (38) पुत्र मुहर्रम अली को उसके भतीजे ने चारपाई के पाटी से वार कर लहूलुहान कर दिया। तत्काल परिजन अस्पताल लेकर भागे जहां रास्ते में अन्ना की मौत हो गई। जिससे हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची मेजा कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुटी हुई है। सूत्रों की मानें तो उक्त चाचा और भतीजे में पहले से विवाद था। वहीं मंगलवार को बच्चों के विवाद में कहासुनी हो गई। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई और खुन्नस खाए भतीजे ने चारपाई की पाटी से चाचा के सिर पर वार कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन तत्काल अस्पताल लेकर भागे जहां रास्ते में उसकी मौत हो गई।

न्यायिक मजिस्ट्रेट को है पुलिस विवेचना की निगरानी का अधिकार याची का आरोप है कि विवेचना

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। आरोपियों के प्रभाव में आ कर सही विवेचना नहीं कर रहे है। निष्पक्ष विवेचना न होने का आरोप लगाते हुए याची ने अनुच्छेद 226 के अंतर्गत हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट

ने कहा कि न्यायिक मजिस्ट्रेट को विवेचना की निष्पक्षता की जांच और निगरानी करने का अधिकार प्राप्त है। विवेचना से व्यथित पक्षकारों को अनुच्छेद 226 के अंतर्गत याचिका के स्थान पर दंड प्रक्रिया संहिता के प्राविधानों के विकल्प का प्रयोग करना चाहिए। यह आदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अंजनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह के खंडपीठ ने दहेज हत्या के मामले की निष्पक्ष विवेचना की मांग वाली याचिका को निस्तारित करते हुए दिया।याची राजेश कुमार यादव ने कौशाम्बी जिले के थाना पीपरी में दहेज हत्या समेत कई धाराओं में मृतका के पति और अन्य ससुरालीजनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी। तीन माह से ज्यादा समय बीत जाने के बावजूद विवेचनाधिकारी द्वारा न तो आरोपियों की गिरफ्तारी की गई और न ही आरोप पत्र दाखिल किया गया।याची का आरोप है कि विवेचनाधिकारी आरोपियों के प्रभाव में आ कर सही विवेचना नहीं कर रहे है। निष्पक्ष विवेचना न होने का आरोप लगाते हुए याची ने अनुच्छेद 226 के अंतर्गत हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। याची के अधिवक्ता अभिजीत मुखर्जी को सुन कर उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने याचिका को निस्तारित करते हुए कहा कि याची के दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156 3 के अंर्तगत मजिस्ट्रेट को एफआईआर दर्ज कराने, विवेचना की निगरानी करने और विवेचना को किसी दूसरी जांच एजेंसी को देने का पूरा अधिकार है। पुलिस विवेचना से व्यथित याची अनुच्छेद 226 के अंतर्गत याचिका के बजाय संबंधित मजिस्ट्रेट के न्यायालय में अर्जी दाखिल कर सकता है।

मंगलवार को चांद के दीदार के बाद माहे मोहर्रम शुरू प्रयागराज में ताज़ियादारी शुरू

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। मंगलवार को अगर चांद का दीदार हो गया तो माहे मोहर्रम की शुरुआत हो जाएगी चांद के दीदार के बाद पूरा मुल्क गम में समा जाएगा चांद रात के दिन से ही ताज़ियादारी शुरू हो जाती है दोंदी पुर से लल्लन नाई का आलम से ताज़ियादारी शुरू हो जाती है 10 दिन लगातार आलम और मेहंदी निकलती रहती है माहे मोहर्रम की 9 तारीख को चौक से मासूम अली अज़गर का झूला उठाया जाता है चौक, बहादुरगंज, लाल दिग्गी, बजाजा पट्टी होते हुए सब्जी मंडी इमामबाड़े पर रखा जाता है। इसके बाद निरंजन सिनेमा, जॉनसन गंज से बड़ा ताज़िया उठता है अपने कदीमी रास्ते को पूरा करते हुए फिर से इमामबाड़े पर रखा जाता है माहे मोहर्रम की 10 तारीख को दिन में फिर से बड़ा ताज़िया उठाया जाता है विभिन्न रास्तों से होता हुआ कर्बला पहुंचता है वहां पर अक़ीदत के फूल को दफना दिया जाता है अली हुसैन के सौदाई आंखों में आंसू लिए अपने घर की तरफ लौट जाते हैं।

कितनी आसान होगी जूनियर बच्चन की राजनीतिक राह

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। 2024 का लोकसभा चुनाव काफी रोमांचक हो सकता है। 1984 वाला सीन फिर दोहराने की तैयारी की जा रही है। 1984 में सुपर स्टार अमिताभ बच्चन ने चुनावी मैदान में उतरकर राजनीति दुनिया में तहलका मचा दिया था। उन्होंने कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे हेमवती नंदन बहुगुणा को पराजित किया था बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन के इलाहाबाद संसदीय सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने की अटकलों के बाद प्रदेश की राजनीति गरम हो गई है। जूनियर बच्चन मैदान में उतरते हैं तो मुकाबला बेहद रोमांचक हो सकता है। समाजवादी पार्टी से उनके चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही हैं। अभिषेक बच्चन की मां जया बच्चन समाजवादी पार्टी से राज्यसभा से सांसद हैं। सदन में वह सत्ता पक्ष के खिलाफ तीखे प्रहार करती हैं। 2024 का लोकसभा चुनाव काफी रोमांचक हो सकता है। 1984 वाला सीन फिर दोहराने की तैयारी की जा रही है। 1984 में सुपर स्टार अमिताभ बच्चन ने चुनावी मैदान में उतरकर राजनीति दुनिया में तहलका मचा दिया था। उन्होंने कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे हेमवती नंदन बहुगुणा को पराजित किया था।

कमिश्नर ने व्यापारियों के साथ की बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। प्रयागराज के कमिश्नर रमित शर्मा और शहर के व्यापारियों के साथ आज बैठक हुई। बैठक में

कई व्यापारी संगठनों ने बाज़ारों में जाम की समस् से ठोस नीति बनाने की अपील की जिस पर कमिश्नर रमित शर्मा ने अ्ज्ञ् ट्रैफिक को इस बारे में कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही कमिश्नर ने व्यापारियों से भी अपील किया की व्यापारी अपनी दुकानों के आगे सड़क पर अतिक्रमण न करे, जिससे बहुत हद तक जाम की परेशानियों से बचा जा सकता है। इस मौके पर आगामी त्यौहारों के मद्देनजर भी पुलिस अफसरों ने व्यापारियों से चर्चा की मीटिंग में डीसीपी सिटी दीपक भूकर ने भी पुराने शहर में अतिक्रमण पर व्यापारियों से पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

सावन के दूसरे सोमवार को भोलेनाथ के दर्शन-पूजन को लेकर शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। प्रयागराज कांवड़ियों का भी लगा तांता, हर हर महादेव व बोल-बम के जयकारों के बीच हो रहा जलाभिषेक व पूजा देवाधिदेव महादेव के पूजन के पवित्र मास सावन के दूसरे सोमवार पर मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। मनकामेश्वर महादेव मंदिर, सोमेश्वर महादेव, कोटेश्वर महादेव, शिव कचहरी, पडिला महादेव, हनुमत निकेतन शिव मंदिर सहित विभिन्न शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। भांग, धतूरा, दूध, घी, पंचगव्य, पंचामृत, बेलपत्र, पुष्प, दही, चंदन, इत्र आदि से महादेव का विधि विधान से पूजन कर गंगा जल से जलाभिषेक किया गया। दारागंज स्थित दशाश्वमेध गंगा घाट पर कांवड़ियों का रेला लगा रहा। शिवभक्तों ने गंगा जल भरकर शिवालयों में जलाभिषेक किया। साथ ही बाबा विश्वनाथ धाम को जलाभिषेक के लिए भी कांवड़िए रवाना हुए सावन के दूसरे सोमवार पर शुभ संयोगों का अनूठा संगम रहा। इस बार सोमवती अमावस्या के साथ पुनर्वसु नक्षत्र का मिलन भोले बाबा के भक्तों के लिए खास है यानी, थोड़े से उपायों से भी भोलेनाथ प्रसन्न होंगे। इस बार सोमवती अमावस्या में शिवभक्त महादेव का जलाभिषेक कर कामनाओं की पूर्ति के लिए आराधना की।इसके लिए शहर के प्रमुख शिव मंदिरों में जहां भव्य सजावट की गई है, वहीं सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम हैं। दशाश्वमेध घाट से जल भरकर बड़ी संख्या में कांवड़िये बाबा विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए शिव धामों के लिए रवाना हो रहे हैं। रविवार को दशाश्वमेध घाट कांवड़िया भक्तों का हुजूम उमड़ने की वजह से शिवमय हो गया। दूसरा सोमवार

पुनर्वसु नक्षत्र और सोमवती अमावस्या के शुभ संयोग में लग रहा है। यह नक्षत्र भक्तों की हर मनोकामना को पूरी करने वाला है। अल स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर में भी भक्तों की सुविधा के लिए बैरिकेडिंग कराई गई। यहां रविवार रात को ही शृंगार झांकी सजाई गई। यमुना तट स्थित मनकामेश्वर महादेव मंदिर में सोमवार की भौर चार बजे मंगला आरती के साथ ही आम भक्तों के लिए पट खोल दिए गए।महंत श्रीधरानंद ब्रह्मचारी ने बताया कि सोमवार को मनकामेश्वर महादेव का रंग-बिरंगे फूलों और हरी पत्तियों से मोहक श्रृंगार किया गया। इसमें रजत के मुखौटे के अलावा मोगरा, गुलाब, रजनीगंधा, बेला के फूलों से बाबा की झांकी सजाई गई। उधर, तक्षक तीर्थ और दारागंज स्थित नागवासुकि में भी जलाभिषेक और दर्शन-पूजन के लिए कतार लगी रही। इन मंदिरों में भी भोर से ही भक्तों की भीड़ लग जाएगी। बालसन चौराहा स्थित भरद्वाजेश्वर महादेव मंदिर में भी जलाभिषेक की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है वहां भी सुबह छह बजे से जलाभिषेक आरंभ होगा। उधर, दूसरे सोमवार पर बाबा के जलाभिषेक के लिए भी कांवड़ियों का रेला उमड़ पड़ा है। दशाश्वमेध घाट से जल भरकर नंगे पांव भक्त दिनभर निकलते रहे। इससे झुंसी- शास्त्री पुल से लेकर प्रयागराज वाराणसी राजमार्ग केसरियामय नजर आने लगा।

आधुनिक गेस्ट हाउस

विशेषताएं -
- पूर्णत: वाटर प्रूफ (टीन शेडेड)
- गेस्ट हाउस के भीतर ही पार्किंग की सुविधा
- गेस्ट हाउस के भीतर ही मन्दिर
- सम्पूर्ण गेस्ट हाउस में सीसीटीवी कैमरे की सुविधा
- छोटे-बड़े समस्त कार्यक्रमों के लिए अलग-अलग रेट
- लगभग 45000 sq. ft. एरिया के हरे-भरे वातावरण में विस्तृत गेस्ट हाउस

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औद्योगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औद्योगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज
बुकिंग सम्पर्क सूत्र 8816897337, 9415608783, 9415608710
SATYAM # 9305124298

पूर्वोत्तर रेलवे ओवर ब्रिज अंडर-पास कार्यो का निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। डीआरएम की उपस्थिति मे विद्युतकृत लाइनों व दोहरीकरण सहित स्टेशनों के विकास कार्यो की समीक्षा बैठक रेलवे समीक्षा बैठक ली साथ ही वाराणसी मंडल पर चल रहे विद्युतकृत लाइनों के साथ दोहरीकरण एवं स्टेशन विकास कार्यो एवं क्रियान्वयन योजनाओं का संज्ञान पावर पॉइंट सुविधाओं में विस्तार स्वच्छता संबंधी गतिविधियों का नियमित संचालन एवं संरक्षा संबंधी समस्त निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करते हुए परिचालन को सुनिश्चित करने पर

बोर्ड नई दिल्ली सदस्य (इंफ्रास्ट्रक्चर) के रूप नारायण सुनकर ने वाराणसी मंडल के कज्जाकपुरा रेलवे क्रासिंग पर निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज एवं अंडर-पास का निरीक्षण किया।विकास कार्यो के प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्य गुणवत्ता पूर्ण ढंग से शीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया। इसके उपरांत उन्होंने वाराणसी मंडल पर चल रहे इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्यो की प्रगति एवं कार्य योजनाओं पर मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय एवं मंडलीय अधिकारियों के साथ प्रेजेंटेशन के माध्यम से लिया। इस दौरान सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर रेलवे बोर्ड रूप नारायण सुनकर आज अपने निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत वाराणसी जं.स्टेशन पर उतरे थेघ् अपने आज के इस निरीक्षण कार्यक्रम के तहत सदस्य (इन्फ्रास्ट्रक्चर) ने मुख्यालय से आए निर्माण विभाग के उच्चाधिकारियों मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय, पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय के अधिकारियों तथा निर्माण संबंधित विभिन्न यूनिटों के अधिकारियों के साथ मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय पर बैठक की इस दौरान सदस्य (इंफ्रा)ने यात्री बल दिया । इसके पूर्व उन्होंने वाराणसी जं. एवं काशी स्टेशनों का निरीक्षण करते हुए स्टेशनों की महत्ता का उल्लेख करते हुए इन स्टेशनों से होकर आवागमन करने वाले यात्रियों हेतु आदर्श वातावरण निर्मित करते हुए प्रत्येक रेलकर्मी को रेलवे की अच्छी छवि प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इस निरीक्षण कार्यक्रम में स्टेशन के निरीक्षकों एवं पर्यवेक्षकों सहित अन्य रेलकर्मी भी उपस्थित रहेघ् इस आशय की जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे मण्डल रेल प्रबंधक वाराणसी के जनसम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार ने मीडिया को दी।

लखनऊ से गोरखपुर आ रही वंदे भारत ट्रेन पर चलाए गए पत्थर, ई वन कोच का शीशा चटका

(आधुनिक समाचार सेवा)
गोरखपुर । वंदे भारत ट्रेन पर एक बार फिर पत्थर चला है। सोमवार की रात 11:00 बजे के आसपास डोमिनगढ़ स्टेशन के पास लखनऊ से गोरखपुर आ रही 22550 नंबर की वंदे भारत ट्रेन पर अराजकतत्वों ने पत्थर चला दिया। वंदे भारत ट्रेन पर एक बार फिर पत्थर चला है। सोमवार की रात 1100 बजे के आसपास डोमिनगढ़ स्टेशन के पास लखनऊ से गोरखपुर आ रही 22550 नंबर की वंदे भारत ट्रेन पर अराजकतत्वों ने पत्थर चला दिया। पत्थर लगने से एग्जीक्यूटिव कोच ई वन (ईसी) के सीट नंबर 13 और 14 नंबर के पास वाला शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। पत्थर लगने से एग्जीक्यूटिव कोच ई वन (ईसी) के सीट नंबर 13 और 14 नंबर के पास वाला शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। पत्थर लगने के बाद यात्रियों में दहशत फैल गई। कोचों

के अंदर कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई। 11 जुलाई को अयोध्या के पास चलाए गए थे पत्थर 11 जुलाई को भी अयोध्या कैंट से आगे सोहावल और देवरा कोट के बीच गोरखपुर से लखनऊ जा रही 22549 नंबर की वंदे भारत ट्रेन पर अराजकतत्वों ने पत्थर चला दिया था। पत्थर लगने से चार कोचों के चार खिड़कियों के शीशे चटक गए। हालांकि, पत्थरबाजी के कुछ घंटे बाद ही पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। शनिवार को ही गोरखपुर स्थित न्यू वाशिंग पिट में क्षतिग्रस्त शीशा बदले गए गए थे। दिल्ली से मंगाकर चार नए शीशे लगाए गए। एक सप्ताह के अंदर ही अराजकत्वों ने वंदे भारत पर दूसरी बार पत्थर चला दिया है। मामले को लेकर रेलवे पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही हर बिंदु को लेकर जांच कर रही है 7 जुलाई को पीएम मोदी ने दिखाई थी हरी झंडी लगातार हो रही घटनाओं ने रेलवे प्रशासन को बैकफुट पर ला दिया है। वंदे भारत ट्रेन 9 जुलाई से प्रतिदिन गोरखपुर से लखनऊ के बीच चल रही है। सात जुलाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गोरखपुर जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 से पूर्वोत्तर रेलवे की पहली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया था।

काशिराज परिवार का मामला: मोहताज खाने की जमीन पर मालिकाना हक जताने सामने आया तीसरा पक्ष, जमीन कब्जाने का आरोप

(आधुनिक समाचार सेवा)
रामनगर। नगर स्थित मोहताज खाना जमीन के मालिकाना हक को लेकर काशिराज परिवार में छिड़ी जंग में रविवार को नया मोड़ आ गया। लेखपाल भोला शंकर ने मोहताज खाने की जमीन से जुड़ी अपनी अंतिम रिपोर्ट में अनंत नारायण सिंह को मालिक बताया है। मोहताज खाना जमीन के मालिकाना हक को लेकर काशिराज परिवार में छिड़ी जंग में रविवार को नया मोड़ आ गया। लेखपाल भोला शंकर ने मोहताज खाने की जमीन से जुड़ी अपनी अंतिम रिपोर्ट में अनंत नारायण सिंह को मालिक बताया है। लेखपाल की रिपोर्ट पर काशिराज परिवार की कृष्णप्रिया ने आपत्ति जताते हुए उच्चाधिकारियों से शिकायत करने संग न्यायालय में रिपोर्ट को चुनौती देने की बात

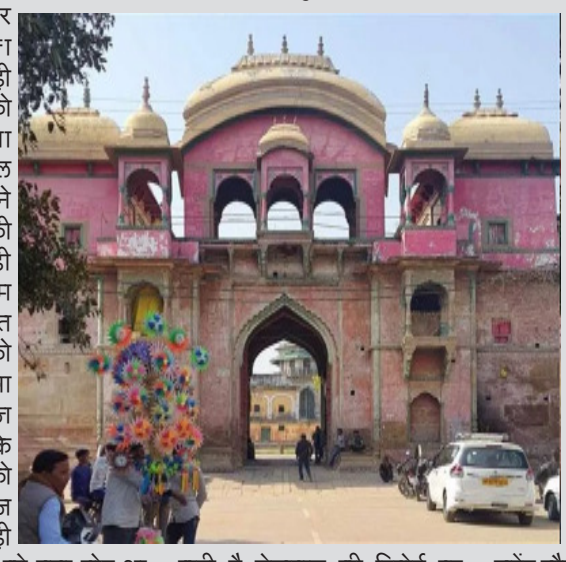

कही है। भाई-बहनों के विवाद के बीच रविवार को सुरेंद्र चौहान ने थाने पहुंच पुलिस को बताया कि मोहताज खाने की जमीन मेरी ह उन्होंने कहा कि स्व. डा. विभूति नारायण सिंह ने मेरे पूर्वजों को रहने के लिए यह जमीन दी थी। उक्त जमीन के एक किनारे बने दो कमरों में सपरिवार रहता हूं। मेरे पास मकान नंबर के साथ ही जमीन से जुड़े दस्तावेज भी हैं। रामनगर चौकी इंचार्ज ने सुरेंद्र चौहान के दस्तावेज की जांच के लिए लेखपाल भोला शंकर को कागजात सौंप दिया है। लेखपाल भोला शंकर का कहना है मूल अभिलेखों में जमीन केवल अनंत नारायण सिंह के नाम से दर्ज है। सुरेंद्र चौहान के कागजातों की भी जांच कर ली जाएगी। उधर, कृष्णप्रिया ने बताया सुरेंद्र चौहान के पिता बालेश्वर चौहान ने गलत रूप से कब्जा कर दो कमरा बहुत पहले बना लिया था, अब खाली नहीं कर रहे हैं।

वाराणसी में 80 रुपये किलो मिलेगा टमाटर, प्रति व्यक्ति को कितना मिलेगा जानिए

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। पहड़िया मंडी से सोमवार की सुबह भी दर्जनों गाड़ियां टमाटर लेकर शहर के लिए निकलीं। रियायती दर पर उपलब्ध टमाटर को 80 रुपये प्रति किलो बेचा गया। शहर में गुरुधाम कालोनी लंका सुंदरपुर पांडेयपुर भोजूबीर शिवपुर आधा किलो से लेकर ढाई किलो तक टमाटर दिया गया। एनसीसीएफ के मैनेजर राजेश कुमार और विजय कुमार सिंह ने

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) के माध्यम से रियायती दर पर उपलब्ध टमाटर को 80 रुपये प्रति किलो बेचा गया। हालांकि जल्द ही टमाटर का दाम और घटने की उम्मीद जताई जा रही है। पहड़िया मंडी से सोमवार की सुबह भी दर्जनों गाड़ियां टमाटर लेकर शहर के लिए निकलीं। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) के माध्यम से लालपुर आशापुर सारनाथ पुलिस लाइन सिगरा महमूरगंज मंडुआडीह मलदहिया बीएचयू अस्सी सहित 18 केंद्रों पर टमाटर बेचा गया। शहर में गुरुधाम कालोनी, लंका, सुंदरपुर, पांडेयपुर, भोजूबीर, शिवपुर, लालपुर, आशापुर, सारनाथ, पुलिस लाइन, सिगरा, महमूरगंज, मंडुआडीह, मलदहिया, बीएचयू, अस्सी सहित 18 केंद्रों पर टमाटर बेचा गया। प्रति व्यक्ति बताया कि नासिक से आया 21 टन टमाटर खत्म हो गया है। वहीं दूसरी गाड़ी सोमवार की रात्रि तक 21 टन टमाटर लेकर पहड़िया मंडी में आ जाएगी। जिसे मंगलवार को पुनः उसी तरह से 18 केंद्रों पर बेचा जाएगा। सब कुछ ठीक रहा तो टमाटर का भाव और भी कम होने की उम्मीद जताई जा रही है।

नाबालिग के सिर चढ़ा इश्क का भूत, आधी रात को पहुंची प्रेमी के घर

(आधुनिक समाचार सेवा)
गोरखपुर । गोरखपुर जिले के चौरी चौरा क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग प्रेमिका अपना घर छोड़कर बगल के गांव के प्रेमी के घर चली गई। युवक के साथ रहने की जिद करते हुए दरवाजे पर हंगामा करने लगी। युवक के घरवालों ने उसे समझाना चाहा, लेकिन वह नहीं मानी। देर रात होने पर युवक के घरवालों ने उसे अपने घर पर रोक लिया। सुबह सूचना पर पहुंची पुलिस ने किशोरी और युवक को थाने उठा लाई। पुलिस ने दोनों को समझा-बुझाकर उनके स्वजन को सुपुर्द कर दिया। नाबालिग के सिर इश्क का भूत चढ़ा तो रात में ही प्रेमी के घर पहुंच गई। युवक के साथ रहने की जिद कर हंगामा करने लगी। युवक के घरवालों ने उसे समझाने की काफी देर तक कोशिश की लेकिन वह नहीं मानी। किशोरी रात भर प्रेमी के घर पर ही रुकी रही। सुबह पुलिस दोनों को थाने लाई। वहां से समझाने के बाद दोनों के स्वजनों को सुपुर्द किया। क्षेत्र के एक गांव की किशोरी बगल के गांव के रहने वाले युवक से प्रेम करती है।

वाराणसी कैंट स्टेशन पर जी आर पी ने दो बर्तन कारोबारी को पकड़ा, बैग की तलाशी ली तो उड़ गए होश

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। हवाला कारोबार की आशंका में शनिवार रात जीआरपी ने कैंट स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर पांच से 17 लाख 83 हजार रुपये

जब्त किए। नोटों की गड्डियों के साथ धरे गए मुरादाबाद के बर्तन कारोबारी से आयकर विभाग की टीम ने पूछताछ की, लेकिन कोई ब्योरा नहीं मिल सका। लिहाजा, उक्त राशि को जब्त कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। सावन के मद्देनजर प्रभारी निरीक्षक हेमंत कुमार सिंह के नेतृत्व में प्लेटफार्मों पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान स्वचालित सीढ़ी के समीप दो व्यक्ति संदिग्ध गतिविधियों में दिखे। तलाशी में दोनों के बैग से रुपयों की गड्डी मिली। संदेह होने पर उन्हें पकड़ कर जीआरपी थाने लाया गया। उनके पास से 17 लाख 83 हज़ार रुपए मिले युवक मुरादाबाद के रहने वाले हैं, इसलिए पीतल के बर्तन कारोबार में भी हवाला के रुपये के इस्तेमाल की आशंका गहराई ह प्लेटफॉर्मों पर चल रहा चेकिंग अभियान रविवार को जीआरपी थाने में पत्रकारों के समक्ष बरामद रुपये दिखाते हुए क्षेत्राधिकारी कुंवर प्रभात सिंह ने बताया कि सावन के मद्देनजर प्रभारी निरीक्षक हेमंत कुमार सिंह के नेतृत्व में प्लेटफार्मों पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान स्वचालित सीढ़ी के समीप दो व्यक्ति संदिग्ध गतिविधियों में दिखे। तलाशी में दोनों के बैग से रुपयों की गड्डी मिली। संदेह होने पर उन्हें पकड़ कर जीआरपी थाने लाया गया। उनके पास से 17 लाख 83 हज़ार रुपए मिले। सूचना मिलते ही पहुंचे आयकर अधिकारी जेपी चौबे, निरीक्षक अशोक कुमार यादव व दिलीप कुमार श्रीवास्तव ने पकड़े गए मुरादाबाद के गलशहीद निवासी मेराज आलम व मो. शोएब से पूछताछ की।

ट्रक से कुचल कर स्कूटी सवार महिला की मौत, बिटिया को स्कूल से लेने घर से निकली थी मां

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। बड़ागांव थाना अंतर्गत हरहुआ बाजार में गैस सिलेंडर लदे ट्रक से कुचलकर 40 वर्षीय शेफाली श्रीवास्तव की मौत हो गई। वह अपनी बेटी को स्कूल से लाने के

लिए घर से निकलीं थीं। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर सीधा हरहुआ पुलिस चौकी जा पहुंचा। दुर्घटना की भनक लगते ही पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया। गनेशपुर तरना निवासी अधिवक्ता राकेश श्रीवास्तव की पत्नी शेफाली रोज की भांति नौंवी कक्षा में पढ़ रही बेटी आकांक्षा को लाने स्कूटी से जा रहीं थीं। फ्लाई ओवर के पिलर नंबर 66/67 के पास किसी वजह से स्कूटी अनियंत्रित हुई तो शेफाली गिर पड़ीं। उसी दौरान गैस सिलेंडर लदा ट्रक उधर से गुजरा तो उसका पिछला चक्का शेफाली के सिर और हाथ से होकर गुजर गया। हरहुआ चौकी प्रभारी विवेक कुमार त्रिपाठी ने विधिक कार्रवाई की जा रही है। ट्रक चालक बड़ागांव थाना क्षेत्र के ही कोरवां गांव का निवासी है। उधर हरहुआ व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने मार्ग पर गतिरोधक बनाने की मांग उठाई है। हेलमेट भी काम न आया शेफाली बाकायदा हेलमेट पहनकर घर से निकलीं थीं। इसके बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हेलमेट इस तरह दो पहियों के बीच में आ गया कि हेलमेट चूर-चूर हो गया। मां का शव देख चीख पड़ी आकांछा मां का स्कूल में इंतजार कर रही आकांछा की धड़कनें तेज हुई जा रहीं थी। वह इसलिए भी परेशान थी कि क्यों कि उसकी सुरक्षा को फिक्रमंद मां रोजाना स्कूल में छुट्टी होने से पूर्व ही पहुंच जातीं थीं। बिटिया उधेड़बुन में जुटी थी कि उसे लेने मां की जगह परिचित दूसरे व्यक्ति स्कूल पहुंच आए। बिटिया पुलिस चौकी पहुंची तो मां का शव देख बेटी बिलख उठी। शेफाली को दो बेटी आकांछा और मीठी हैं।

पूर्वांचल फतह के लीए बीजेपी ने रचा व्यूह, 18 को ओपी राजभर बनेंगे एडीए की बैठक का हिस्सा

(आधुनिक समाचार सेवा)
गाजीपुर। 2024 लंबे समय से विपक्ष की आवाज बने सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर अब भाजपा से दोस्ती का हाथ मिलाएंगे। भाजपा-सुभासपा मिलकर एक बार फिर पूर्वांचल की सियासत में नया गुल खिलाएंगी। गृहमंत्री अमित शाह से सुभासपा अध्यक्ष की मुलाकात के बाद इस गठबंधन पर मुहर लग गई। अब इसका महज एलान बाकी है। गठबंधन के बाद 18 जुलाई को दिल्ली में आयोजित एनडीए की बैठक में भी वह हिस्सा बन सकेंगे। आगामी 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा यूपी की 80 सीटों पर विजय हासिल करना चाहती है। इसके लिए वह छोटे-छोटे दलों को भी साथ लेने की रणनीति पर काम कर रही है। भाजपा की काफी दिनों से चल रही सुभासपा (सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी) को साधने की रणनीति अब सफल हो गई। शनिवार को दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से सुभासपा अध्यक्ष व जनपद के जहूराबाद से विधायक ओमप्रकाश राजभर की मुलाकात के बाद गठबंधन को लेकर अहम चर्चा हुई। दोनों दलों में सहमति भी बन गई है।

सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
15% Fee Concession
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ
15% Fee Concession

कम्प्यूटर हार्डवेयर
डाटा इंट्री ऑपरेटर
फायर सेफ्टी
कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
इलेक्ट्रीशिन
सीएनसी प्रोग्रामिंग
इलेक्ट्रिक मैकेनिक
बेसिक कम्प्यूटिंग
सीसीए
वेल्डर
फिटर
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
Apply Online: www.nainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306,9415608710,8103021873
एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

सदर विधायक के नेतृत्व में किया गया जनसंपर्क,गिनाई भाजपा सरकार की उपलब्धियां

(आधुनिक समाचार सेवा)

डाला सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी सदर विधायक भूपेश चौबे के नेतृत्व में सोमवार को डाला नगर में जनसंपर्क किया गया और मोदी सरकार के 9 वर्षों की उपलब्धियां

गिनाई गई जनसंपर्क के दौरान सदर विधायक ने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत आज विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है प्रधानमंत्री के सकारात्मक और दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण आज हम कोविड-19 जैसी जानलेवा बीमारी से बच पाए क्योंकि काफी कम समय में वैक्सीन देकर लोगों की जान बचाई गई इतना ही नहीं लाकडाउन के दौरान गरीबों को मोदी सरकार ने मुफ्त में चावल और गेहूं उपलब्ध कराया दूसरे देशों की हालत किसी से छुपी नहीं है ऐसे में भारत मजबूती से आज आगे बढ़ रहा है लोगों से किए 11 वादे को सरकार पूरा कर रही है फिर वह चाहे कश्मीर में धारा 370 हटाने हो या राम मंदिर का निर्माण करना हो आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा की पूर्ण बहुमत के साथ ही सरकार बनाएगी जनसंपर्क अभियान के दौरान मंडल महामंत्री संदीप सिंह पटेल, भाजपा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष महेश सोनी भाजपा वरिष्ठ नेता मुकेश जैन, धीरेंद्र प्रताप सिंह डब्लू पांडे,विशाल गुप्ता, बलबीर, संतोष कुशवाहा,विकास जैन, बूथ अध्यक्ष मनीष पाठक, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

चोपन पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में वांछित अभियुक्त के विरुद्ध धारा 82 सीआरपीसी की गई कार्रवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

चोपन सोनभद्र। चोपन पुलिस द्वारा मा0 न्यायालय के आदेश के क्रम में थाना चोपन पर पंजीकृत मु0अ0सं0-67/23 धारा 8/21

ऊझए एक्ट में फरार /वांछित अभियुक्त मोहम्मद उमर उर्फ बबलू खान पुत्र नूर मोहम्मद निवासी बहुअरा थाना रॉबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र के विरुद्ध धारा 82 सीआरपीसी की कार्रवाई की गयी ।अवगत कराना है कि वांछित अभियुक्त उपरोक्त निरन्तर फरार चल रहा है तथा मा0 न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हो रहा है जिसपर मा0 न्यायालय के आदेश पर धारा 82 सीआरपीसी के तहत उद्घोषणा की गयी तथा अभियुक्त उपरोक्त के निवास स्थान पर नोटिस चस्पा कराकर उसके घर एवं आस-पास के क्षेत्रों में मुनादी करायी गयी । यदि फरार अभियुक्त समयावधि के भीतर मा0 न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होता है तो उसके विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जायेगी । इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक चोपन विश्वनाथ प्रताप सिंह मय पुलिस बल के साथ मौजदू रहे ।

नेत्रदान करने वालों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। रोटरी क्लब मिर्जापुर इलीट की ओर से महंत शिवाला स्थित एक होटल में रविवार को देर शाम अधिकारिक यात्रा व शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3120 के गवर्नर सुनील बंसल की मौजूदगी में अध्यक्ष रवि कुमार जैन व सचिव रुचि जैन ने शपथ ग्रहण किया।अध्यक्ष रवि कुमार जैन ने वर्ष भर कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। गवर्नर ने मासिक पत्रिका का विमोचन किया। क्लब की ओर से शत प्रतिशत रोटरी फाउंडेशन इंडिया का चेक दिया गया। इस दौरान नेत्रदान करने वालों को गवर्नर ने प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष गौरी अग्रवाल, शैलेंद्र कटारे, विष्णु खंडेलवाल, महेश केसरवानी, विक्रम जैन, परवेज खान, चित्रसेन मिश्रा, डॉ. मृदुला जायसवाल, डॉ. शैलेंद्र गुप्ता, अनूप अग्रवाल, अनुराग त्रिपाठी, उमा त्रिपाठी, मीना कटारे, रुचि

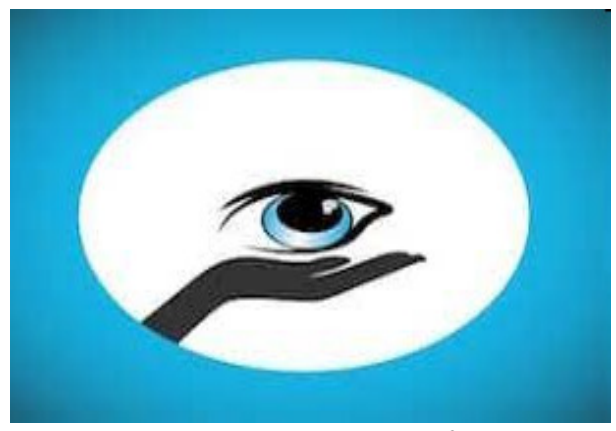

अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल, आशीष गुप्ता, आशुतोष अग्रवाल, वंदिता अग्रवाल, आशुतोष अग्रवाल, आशीष गुप्ता, डॉ. एसके मुसद्दी, रेणुका मुसद्दी, सुमन कटारे, संजय कटारे, मुकेश अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, शिशिर अग्रवाल, सुशील झुनझुनवाला, रवीश अग्रवाल, आशीष मेहरोत्रा, उदय गुप्ता व मयंक गुप्ता आदि मौजूद रहे।

वज्रपात से पूर्वांचल में दो युवकों और 29 मवेशियों की मौत, दंपती समेत पांच झुलसे

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में पिछले चौबीस

घंटे के दौरान अलग-अलग स्थानों पर हुए वज्रपात से दो युवकों की मौत हो गई जबकि दंपती संग पांच लोग झुलस गए। 28 मवेशियों की जान चली गई और तीन पशु झुलस गए। हलिया क्षेत्र के नदना ग्राम पंचायत के पड़री गांव निवासी 38 वर्षीय बिंदू गुर्जर शनिवार को भोर में घर के बाहर लघुशंका करने निकले थे। इसी दौरान वज्रपात की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। धमाके की आवाज सुन स्वजन की नींद खुली। घर के बाहर जाकर देखा तो बिंदू गिरे पड़े थे। वहीं संतनगर के ककरद निवासी अंगनू चौहान वज्रपात से झुलस गए। राहकला के घोघिया में सेवालाल पाल की दो भैंस की मौत हो गई। लेदुकी के 54 वर्षीय रामयज्ञ व 52 वर्षीय कमला ग्राम सचिवालय के बगल स्थित सिवान में सोए थे कि वज्रपात से झुलस गए।

जून से लेकर अब तक हुई कम बारिश, अन्नदाता चिंतित; अगले 10 दिन हैं निर्णायक

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। प्रकृति का भी खेल देखिए कहीं भारी बारिश से तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है तो

कहीं जमीन में पड़े दर्रे। उत्तर प्रदेश के किसान मायूस हो चुके हैं। कहीं भारी बारिश से फसल खराब हो जा रही है, तो कहीं बिना बारिश के जमीन पत्थर की तरह कड़ी हो गई है। सोनभद्र भी इन्हीं में से एक हैं। यहां बारिश हुई तो है, लेकिन नाम मात्र की। बरसात नहीं होने से किसान खेती को लेकर चिंतित हैं। जनपद में जून लेकर अब तक बारिश कम होने से अभी ग्रामीण अंचलों में खेतों की मिट्टी पूरी तरह से भींग नहीं पाई है। किसानों का कहना है कि अगर यही हाल और दस दिन रह गया तो धान की नर्सरी चौपट हो जाएगी। इस साल जून में पिछले साल की तुलना में लगभग 10 मिली मीटर कम बारिश हुई है। अभी तक बारिश से खेतों में ठीक से पानी भी नहीं भर पाया है। खरीफ की फसल की समय से बुआई नहीं हुई तो खेती करने में देर होगी। धान की नर्सरी सूखने के कगार पर है। देर से रोपाई होने से पैदावार पर भी असर पड़ेगा। पिछले वर्ष जून की बात करें तो 78.53 मिली मीटर वर्षा हुई थी। इस साल जून में 68.75 मिली मीटर ही बरसात हो सकी है। दुद्धी क्षेत्र अधिकतर किसान वर्षा से आधारित खेती करते है। कारण यह है कि यहां सिंचाई का साधन नहीं है। किसान गौरी शंकर सिंह ने बताया कि क्षेत्र में ठीक से बारिश हुए 15 दिनों से अधिक हो गया। अगर 10 दिनों तक बरसात नहीं हुई तो धान की नर्सरी नष्ट हो जाएगी। मक्का, तिल, उर्द, सांवा, कोदो की खेती पिछड़ जाएगी। खेती की जोताई व बीज भी खराब हो जाएगी। मक्का, तिल, उर्द, सांवा, कोदो, मेड़ो जम गए हैं। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में किसानों को बारिश का इंतजार है। मौसम की इस अनदेखी के चलते किसानों के चेहरे उतर गए हैं। अभी तक धान की बुआई नहीं हो पाई है और जमीन सूख गई है। अगले दस दिनों में अगर बारिश नहीं होती है तो धान की नर्सरी बर्बद हो जाएगी। इस साल जून में पिछले साल की तुलना में लगभग 10 मिली मीटर कम बारिश हुई है।

ट्रेलर से कुचलकर दुकानदार की मौत, नाराज लोगों ने हाइवे किया जाम

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। पुलिस चौकी क्षेत्र में मौजूद बस स्टैंड पर मंगलवार सुबह करीब छह बजे बेलगाम ट्रेलर ने जमशीला निवासी साइकिल सवार व्यक्ति को कुचल दिया। हादसे में व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद नाराज लोग सड़क पर उतर गए और आए दिन हो रही दुर्घटनाओं पर रोक के लिए ठोस कदम उठाए जाने के साथ मृतक आश्रित के लिए मुआवजे की मांग करने लगे। सूचना मिलते ही मौके पर पंहुची शक्तिनगर, बीना पुलिस शव को उठाने का प्रयास किया लेकिन परिजनों के साथ आक्रोशित स्थानीय व्यापारियों व जनता ने उचित मुआवजा व ट्रेलर संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया। इससे आने जाने वाले अन्य वाहनों को काफी ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लोग घंटों जाम में फंसे रहे। बताया जा रहा है की जमशीला निवासी अनुग्रह प्रसाद उर्फ राम भरोसे (53) चना चटपटी की दुकान लगाता था।

सुबह किसी कार्य से साइकिल से बस स्टैंड पर जा रहा था। इसी बीच शक्तिनगर दिशा की ओर से आ रहा तेज रफ़्तार खाली ट्रेलर की चपेट में आ गया। सूचना पर काफी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। जमशीला प्रधान प्रतिनिधि कमलेश सिंह उर्फ पप्पू, कोहरौलिया प्रधान प्रतिनिधि चन्दन कुमार, पूर्व प्रधान प्रकाश भारती, शांति देवी, स्थानीय व्यापारियों सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग जाम कर दिया। इससे स्कूली बच्चों, मरीजों, ड्यूटी आने जाने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शक्तिनगर थानाध्यक्ष दिनेश प्रकाश पांडेय द्वारा नाराज लोगों समझाने का प्रयास किया गया लेकिन परिजन मुआवजा की मांग पर अड़े हुए है। ट्रेलर चालक को पुलिस हिरासत में ले लिया है।

खराब प्रगति पर सीडीओ नाराज, मलेरिया अधिकारी से मांगी सफाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर। संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान में खराब प्रगति मिलने पर मुख्य विकास अधिकारी ने जिला मलेरिया अधिकारी से स्पष्टीकरण मांग लिया है। उन्होंने जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों

को प्रगति बढ़ाने का निर्देश भी दिया है।पथरहिया स्थित विकास भवन के सभागार में सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की समीक्षा की गई। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने फीडबैक मानिटरिंग में पंचायती राज, नगर विकास एवं पशुपालन विभाग की प्रगति राज्य स्तर पर कम मिलने पर कड़ी नाराजगी जताई। साथ ही जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को प्रगति बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने जमालपुर एवं सीखड़ की प्रगति खराब होने पर संबंधित प्रभारी चिकित्साधिकारी को इसमें सुधार करने का निर्देश दिया। उन्होंने अभियान के दौरान गांवों में टीम द्वारा कार्ययोजना बनाकर कार्य कराने का निर्देश दिया। गांव में फागिंग व कीटनाशकों का छिड़काव प्राथमिकता से कराने की हिदायत दी। मुख्य चिकित्साधिकारी को उन्होंने संचारी रोग अभियान में शामिल विभागीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यों की फीडिंग समय से सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। मुख्य विकास अधिकारी ने शहरी क्षेत्र में फागिंग नहीं कराए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई। साथ ही नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी व चिकित्साधिकारी को अपने-अपने क्षेत्रों में फागिंग कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की हिदायत दी। नगर पालिका की फागिंग मशीन खराब होने की जानकारी मिलने पर मुख्य विकास अधिकारी ने दो दिवस के अंदर मरम्मत कराने का निर्देश दिया। साथ ही यह भी कहा कि मरम्मत न होने की दशा में नई मशीन खरीद कर फागिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया।

विशेष अभियान में पकड़े गए 74 वारंटी और इनाम घोषित आरोपी

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। जिले के सभी थानों की पुलिस ने 24 घंटे का विशेष अभियान चलाकर 74 वारंटियों व इनाम घोषित आरोपियों को गिरफ्तार किया है।पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन में वारंटी, फरार व इनाम घोषित आरोपियों को पकड़ने के लिए 24 घंटे का विशेष अभियान चलाया गया। एएसपी सिटी श्रीकांत कुशवाहा ने बताया कि अभियान के दौरान शहर कोतवाली में एक, कटरा कोतवाली में सात, विंध्याचल में तीन, देहात

कोतवाली में एक, चील्ह में तीन, कछवां में चार, पड़री में तीन, लालगंज में सात, हलिया थाना क्षेत्र में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसी तरह से जिगना थाना क्षेत्र में एक, डूमंडगंज में एक, चुनार में पांच, अदलहाट में 12, जमालपुर में सात, मड़िहान में चार, राजगढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया। संतनगर और अहरौरा थाने की पुलिस अभियान में एक भी वारंटी अथवा फरार आरोपी को पकड़ने में नाकाम रही। एएसपी सिटी ने बताया कि जिले में अभियान के दौरान विभिन्न मामलों में वांछित 74 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

सोनभद्र के पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता को दी गई चेतावनी

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर। पथरहिया स्थित कार्यालय के सभागार में सोमवार को मंडलायुक्त डॉ. मुथुकुमार स्वामी बी. ने सोनभद्र में निर्माणाधीन अटल आवासीय विद्यालय के कार्य में हुई प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान कार्य में लापरवाही मिलने पर उन्होंने सोनभद्र के लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को चेतावनी दी।उन्होंने समय पर कार्य पूरा नहीं होन पर कार्यदायी संस्था क अधिकारियों से कड़ी नाराजगी जताई। बैठक में कार्य समय से पूर्ण न होने तथा लापरवाही बरतने पर लोक निर्माण विभाग के अभियंता अभियंता को कड़ी चेतावनी देते हुए उन्होंने सात दिन में अटल आवासीय विद्यालय भवन का निर्माण कार्य पूरा कराने का निर्देश दिया। उन्होंने उप श्रमायुक्त पंकज राणा से भी कड़ी नाराजगी जताई और निर्देश

PWD

दिया कि समय-समय पर विद्यालय का निरीक्षण कर कार्यदायी संस्था से समन्वय स्थापित कर निर्धारित समय में कार्य पूर्ण कराएं। बैठक में मंडल स्तरीय अनुश्रवण समिति के माध्यम से खरीदी जाने वाली वस्तुओं व सेवाओं के लिए सोनभद्र के स्तर पर उप समिति के गठन को मंजूरी दी गई। मंडलायुक्त ने विद्यालय में मेस के लिए आए सात प्रस्तावों में से किसी एक को अनुमोदित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय को सभी भवनों का निर्माण समय से पूरा कराकर फर्नीचर व अन्य जरूरी सामान उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। ताकि विद्यालय का समय से संचालन कराया जा सकें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सोनभद्र सौरभ गंगवार, संयुक्त शिक्षा निदेशक कामता राम पाल, जिला विद्यालय निरीक्षक सोनभद्र, उप श्रमायुक्त सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

1.375 सेमी प्रति घंटे बढ़ रहा मीरजापुर में गंगा का जलस्तर, लोगों को सता रहा बाढ़

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश में करीब हर जिले में नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। मीरजापुर में भी गंगा बढ़ोतरी हो रही है। लोगों को अब बाढ़ का डर सताने लगा है। रविवार को सुबह 10 बजे तक 67.02 मीटर तक गंगा का जलस्तर दर्ज किया लगी है। बाढ़ से हर वर्ष सदर व चुनार तहसील के करीब 200 से ज्यादा गांव प्रभावित होते हैं। यहां तक कि कई गांवों में आवागमन तक

का जलस्तर बढ़ रहा है। जहां गत 13 जुलाई को गंगा का जलस्तर 63 सेंटीमीटर दर्ज किया गया वहीं तीन दिन बाद यह बढ़कर 67 मीटर के पार चला गया। नदियों का जलस्तर बढ़ने से लोगों को बाढ़ की चिंता सताने लगी है।उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में गंगा नदी का जलस्तर हर घंटे बढ़ रहा है। रविवार को सुबह 10 बजे तक 67.02 मीटर तक गया गंगा का जलस्तर दर्ज किया गया। प्रशासन की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक 1.375 सेंटीमीटर प्रति घंटे जलस्तर में गया। प्रशासन की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक 1.375 सेंटीमीटर प्रति घंटे जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है। यही हाल रहा तो आगामी दस दिन में चेतावनी बिंदु तक जलस्तर का आंकड़ा पहुंच सकता है।वर्ष 2021 में गंगा का जलस्तर 78.400 मीटर तक पहुंच गया था जबकि वर्ष 2022 में भी 78.00 मीटर तक जलस्तर दर्ज किया गया था। गंगा के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए अब जनपद के निचले इलाकों के लोगों में अभी से धुकधुकी बढ़ने पूरी तरह से बंद हो जाता है।हर वर्ष यह देखने को मिलता है कि जनपद के निचले इलाके जब पानी से पूरी तरह से घिर जाते हैं तो लोग अपने सामान को छतों पर रख लेते हैं। कई परिवार तो छत पर ही शरण ले लेता है। हालांकि जरूरत के सामान पहुंचाने के लिए प्रशासन की ओर से नाव की व्यवस्था की जाती है। इस बार भी बाढ़ की संभावना को देखते हुए 38 बाढ़ चौकियों की स्थापना की गई है। प्रशासन बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सतर्क हो गया है।

कार्लोस अल्कारेज हुई पैसों की बरसात

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। 20 साल के कार्लोस अल्कारेज ने विंबलडन चैंपियनशिप 2023 में पुरुष सिंगल्स का खिताब जीत लिया है। कार्लोस ने नोवाक जोकोविच को पांच सेट तक चले मुकाबले में हार का स्वाद चखाया और पहली बार विंबलडन के खिताब अपने नाम दर्ज कर लिया साल के कितनी प्राइज मनी दी जाती है। आइए जानते हैं इस आर्टिकल के जरिए। दरअसल, विंबलडन में मिलने वाली प्राइज मनी आईपीएल और विश्व कप जैसे क्रिकेट के बड़े टूर्नामेंट से कई ज्यादा है। विंबलडन की प्राइज मनी इस बार 10.78 ज्ञ् की बढ़ोत्तरी के साथ लगभग 480 करोड़ रुपये रखी गई थी। मेंस टूर्नामेंट की इनामी राशि की बात करें, तों ग्स्त्दह की इनाम राशि 4 करोड़ 47 लाख पाउंड है। इंडियन करेंसी में ये लगभग 465 करोड़ रुपये है। वहीं, इस बार आईपीएल में 46.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि बांटी गई थी। 20 साल के कार्लोस अल्कारेज के करियर का ये दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब रहा।

कार्लोस अल्कारेज ने विंबलडन चैंपियनशिप 2023 में पुरुष सिंगल्स का खिताब जीत लिया है। कार्लोस ने नोवाक जोकोविच को पांच सेट तक चले मुकाबले में हार का स्वाद चखाया और पहली बार विंबलडन के खिताब अपने नाम दर्ज कर लिया। इस खिताबी जीत के बाद कार्लोस पर पैसों की बरसात हुई है इस खिताबी जीत के बाद कार्लोस पर पैसों की बरसात हुई है। विजेता कार्लोस को कितनी प्राइस मनी मिली, इसकी खूब चर्चा हो रही है। आईपीएल और विश्व कप की तुलना में विंबलडन चैंपियन को सिंगल्स जीतने वाले अल्करेज को लगभग 25 करोड़ रुपये की ईनाम राशि मिली है। वहीं, उपविजेती रहे नोवाक जोकोविच को 12.25 करोड़ रुपये मिले है। वहीं, आईपीएल और विश्व कप की बात करें, तो आईपीएल के 16वें सीजन में सीएसके टीम को इनाम में 20 करोड़ रुपये मिले थे, ये पूरी राशि पूरी टीम के साथ सपोर्ट स्टाफ में बांटी गई थी। वहीं, उप-विजेता गुजरात टाइटंस के खात में 13 करोड़ रुपये आए थे। टी-20 विश्व कप 2022 की विजेता इंग्लैंड ने 13.05 करोड़ रुपये प्राइज मनी के तौर पर मिले थे। अगर पूरे इससे पहले अल्कारेज ने पिछले साल नॉर्वे के कैस्पर रूड को हराकर यूएस ओपन का खिताब अपने नाम किया था। खिताबी मुकाबले का पहला सेट पूरी तरह से जोकोविच के नाम रहा। उन्होंने स्पेनिश खिलाड़ी को सिर्फ एक गेम जीतने का मौका दिया और फिर अल्कारेज ने दूसरे सेट में शानदार वापसी की और सेट को टाईब्रेकर तक ले जाने में सफल रहे। इसके बाद टाईब्रेकर में अल्कारेज ने नोवक की गलतियों को पकड़ लिया और मैच में 1-1 की बराबरी की। इसके बाद अल्कारेज ने तीसरे सेट को 6-1 से जीत लिया

अजिंक्य रहाणे से टीम इंडिया के कोच को अब क्या है उम्मीद वेस्टइंडीज दौरे पर कर दिया खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल गंवाने के बाद भारतीय टीम इस वक्त वेस्टइंडीज दौरे पर है, जहां दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। पहला टेस्ट भारतीय टीम ने एक पारी और 141 रन से जीत लिया। बता दें कि विश्व कप के बाद भी टीम इंडिया का शेड्यूल बिजी रहने वाला है। हाल ही में बीसीसीआई ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जाने वाली टी-20, वनडे, टेस्ट सीरीज के शेड्यूल का एलान किया था, जिसका आगाज 10 दिसंबर से होगा। इस दौरे के लिए टीम इंडिया के बैटिंग कोच विक्रम राठौर ने एक प्लेयर को टीम में शामिल करने की सिफारिश भी कर दी है। राठौर ने अजिंक्य रहाणे को साउथ अफ्रीका दौरे में ले जाने को लेकर क्या कहा आइए जानते हैं दरअसल, टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने अपनी बल्लेबाजी से भारतीय टीम के बैटिंग कोच विक्रम राठौड़ को इंप्रेस कर दिया है। हाल ही में विक्रम ने इस साल के अंत में भारत के साउथ अफ्रीका दौरे को लेकर एक बयान

दिया। उन्होंने कहा कि इस दौरे पर उन्हें लगता है कि अजिंक्य रहाणे को जगह मिलनी चाहिए। उनका मानना है कि आश्वस्त होकर खेलना रहाणे की वापसी का अहम पहलू रहा है और भारतीय टीम को उम्मीद है कि वह इस साल होने वाले साउथ अफ्रीका दौरे के दौरान अपनी फॉर्म बरकरार रखेंगे। रहाणे को लेकर विक्रम ने कहा कि मैं पहले चयनकर्ता भी रह चुका हूं, इसलिए जब भी आप किसी खिलाड़ी को चुनें तो आपको उसे इस इरादे से चुनना चाहिए कि वह अगले 10 सालों तक भारत के लिए खेलेगा। रहाणे की वापसी के बारे में बात करते हुए, राठौड़ ने बताया उन्होंने आगे कहा कि वह देर तक और शरीर के करीब शॉट खेल रहा था। उसकी वापसी के बाद से यह सबसे खास बात रही है। वह अभी भी नेट्स पर उसी तरह से बल्लेबाजी कर रहा है। हमें उम्मीद है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेगा। दक्षिण अफ्रीका में हालात, आपको उसके जैसे किसी खिलाड़ी की जरूरत होगी। बता दें कि रहाणे ने 18 महीने के बाद लंदन में खेले गए डब्ल्यूटीसी फाइनल में वापसी की थी। भले ही भारत जीत नहीं सका, लेकिन रहाणे ने 89 और 46 रनों की पारियां खेली थी और टीम इंडिया को मजबूती दिलाई थी।

मुझे बहुत बुरा और अजीब लगा आर सी बी से निकाले जाने पर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। युजवेंद्र चहल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से अलग होने पर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें फ्रेंचाइजी से कोई फोन कॉल भी नहीं आया। ना ही किसी ने उनसे कोई बात की चहल खेलते हुए चहल आरसीबी के लिए सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे और अभी भी हैं, लेकिन 2022 की बड़ी नीलामी में आरसीबी ने उनको नहीं खरीद उन्होंने कहा, 'बिल्कुल, मुझे बहुत बुरा लगा। मुझे बहुत अजीब भी लगा क्योंकि मैंने

ने रणवीर इलाहबादिया के यूट्यूब चैनल पर कहा, 'जब मैंने नीलामी में अपना नाम रखा तो उहोंने मेरे से वादा किया था कि वे मेरे साथ जाएंगे। मैंने कहा सही है, लेकिन बाद में मुझे बहुत गुस्सा आया। मुझे लगता है कि दो-तीन दिन तक मैंने कोचों से बात नहीं की थी। यहां तक कि जब मेरा आरआर के लिए आरसीबी के खिलाफ पहला मैच आया तो मैंने किसी से बात नहीं की मुंबई इंडियंस के साथ 2011 में अपना आईपीएल करियर शुरू करने के बाद 2014 की नीलामी में उन्हें आरसीबी में लिया गया था। के लिए आठ सीजन खेला। इस दौरान 113 मैच फ्रेंचाइजी के साथ आठ साल तक खेला। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि मुझे इंडियन कैप भी आरसीबी के लिए प्रदर्शन की वजह से मिली, क्योंकि उन्होंने मुझे प्रदर्शन करने का मौका दिया। पहले ही मैच से विराट भाई ने मुझ पर विश्वास जताया। बता दें कि राजस्थान में जाने के बाद चहल ने दो आईपीएल सीजन में उनके लिए 48 विकेट लिए हैं। उन्होंने आईपीएल 2022 के फाइनल में राजस्थान के सफर में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने पर्पल कैप भी जीती थी। वह आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

'मैं उन्हें कभी भी कॉल कर सकता हूं' कोहली, धोनी और रोहित के साथ अपने रिश्ते पर चहल ने किया बड़ा खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। स्टार भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल ने हाल ही में एमएस धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे कई वरिष्ठ भारतीय क्रिकेटरों के साथ अपने संबंधों के बारे में खुलासा किया है। चहल वह उन्हें कभी भी कॉल कर सकते हैं और अपनी समस्याओं पर चर्चा कर सकते हैं। फिलहाल चहल मैदान के बाहर क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रहे हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी वनडे और टी20 सीरीज में वापस एक्शन में नजर आएंगे। मेरी बात सुनने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।इतिहास में लिए हैं सबसे ज्यादा विकेटयुजवेंद्र चहल ने हाल ही में खत्म हुए आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। वह 145 मैच में 187 विकेट के साथ

भारतीय टीम के सबसे मजेदार खिलाडियों में से एक हैं और उन्हें अक्सर अपने साथियों के साथ मजाक करते या मजेदार वीडियो शूट करते देखा जाता रहा ह हाल ही में एक इंटरव्यू में चहल ने कहा कि टीम के सभी सीनियर खिलाड़ी उनके भाइयों की तरह हैं। क्योंकि चहल ने द रणवीर शो में कहा, ठमेरे टीम के साथी मेरे भाई हैं। माही भाई, विराट भैया, रोहित भैया या संजू, बहुत सारे लोग हैं, मैं उन्हें कभी भी कॉल कर सकता हूं और बता सकता हूं कि मुझे यह समस्या है और मैं इस पर चर्चा करना चाहता हूं। लोग आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्याद विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। 2023 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले 32 वर्षीय खिलाड़ी ने वेस्टइंडीज और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़ दिया। ब्रावो ने 161 मैच में 183 विकेट लिए थे।

मैं बाथरूम में बहुत रोया युजवेंद्र चहल ने अपने इंटरनेशनल करियर के सबसे बुरे समय का किया खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। भारतीय टीम के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपने इंटरनेशनल करियर के सबसे बुरे दौर का खुलासा किया है। चहल ने बताया कि 2021 टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम से नहीं चुने जाना उनके करियर का सबसे बुरा दौर था। भारतीय टीम की तब काफी आलोचना भी हुई थी कि युजवेंद्र चहल को क्यों नहीं चुना गया। चहल ने रणवीर अलाहबादिया के यूट्यूब चैनल पर बातचीत करते हुए अपने बुरे दौर को याद करते हुए कहा, ''मैं ज्यादा नहीं रोया। मगर बाथरूम में जाकर थोड़ा बहुत रोया।32 साल के लेग स्पिनर ने कहा कि दुबई में आईपीएल 2021 के दूसरे हाफ से पहले क्वारंटीन के समय पत्नी उनके साथ थीं, जिन्होंने उन्हें शांत रखा। चहल ने कहा, ''जब 2021 टी20 वर्ल्?ड कप के लिए मुझे नहीं चुना गया, तब मुझे बहुत दुख हुआ। मुझे तब

दुबई में आईपीएल खेलना था। धनश्री उस समय मेरे साथ थी। अगले दिन हमें दुबई की फ्लाइट पकड़नी थी। हमें कोविड के कारण स्?थगित हुए आईपीएल के मैच खेलने के लिए जाना था।उन्होंने आगे कहा, ''हमें एक सप्ताह के लिए क्वारंटीन होना था। वरना आप कहीं बाहर जाकर रिलेक्?स हो सकते हो। सबसे बढ़िया बात थी कि वो (धनश्री वर्मा) मेरे साथ थी। मैं अपने गुस्से पर काबू कर पाया। अगर वो वहां नहीं होती तो मैं शायद ज्यादा गुस्सा करता।'' युजवेंद्र चहल ने बताया कि क्वारंटीन के दौरान उन्होंने किस तरह समय बिताया। लेग स्पिनर ने कहा, ''धनश्री मेरे साथ थी। हम दोनों साथ में एक्सरसाइज करते थे। हम कुछ मजेदार फिल्में देखते थे। मुझे अजीब लगा क्योंकि विराट कोहली कप्तान थे और मैं उनकी कप्तानी में खेल चुका हूं। आईपीएल में भी। मगर मैंने कभी किसी से नहीं पूछा कि मेरा चयन क्यों नहीं किया गया।

इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट के लिए किया प्लेइंग 11 का एलान, एक अहम बदलाव किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। इंग्लैंड ने मैनचेस्टर में बुधवार से शुरू होने वाले चौथे टेस्ट से पहले अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा कर दी है। इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग 11 में एक बदलाव किया है। तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन की टीम में वापसी हुई है। जेम्स एंडरसन टीम में ओली रोबिंसन की जगह लेंगे, जो तीसरे टेस्ट में पीठ दर्द की समस्या से जूझ रहे थे। एंडरसन ने मौजूदा एशेज सीरीज के पहले दो टेस्ट खेले थे, लेकिन 75.33 की खराब औसत से केवल तीन विकेट लिए थे। एजबेस्टन में पहले टेस्ट के बाद 40 साल के एंडरसन ने पिच की आलोचना की थी। एंडरसन ने कहा कि उन्हें पिच से कोई सहायता नहीं मिली। हालांकि, लॉर्ड्स में लंकाशायर के तेज गेंदबाज ने खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी ली थी। जेम्स एंडरसन को उम्मीद है कि अपने होमग्राउंड पर प्रभाव छोड़ने में कामयाब रहेंगे। चौथे टेस्ट में जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड की जोड़ी नई गेंद की जिम्मेदारी संभालती हुई नजर आएगी। मार्क वुड और क्रिस वोक्स अपनी जगह बरकरार रखने में कामयाब हुए। आलोचनाओं से घिरे जॉनी बेयरस्टो को चौथे टेस्ट के लिए बरकरार रखा गया है। ऑलराउंडर मोइन अली भी खेलेंगे। इंग्लैंड ने पहले दो टेस्ट में शिकस्त झेलने के बाद दमदार वापसी की और तीसरा टेस्ट 2 विकेट से जीता। इंग्लैंड को 2015 के बाद पहली बार एशेज सीरीज दोबारा हासिल करने के लिए अगले दोनों टेस्ट जीतना जरूरी है।

राशिफल

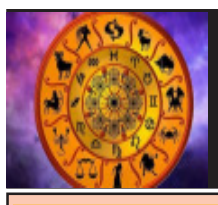

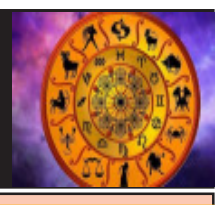

मेष-:आज आप अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए कोई नई योजना बना सकते हैं। घरेलू समस्याओं को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने में आप सफल रहेंगे। इस राशि के जो लोग नौकरी में हैं।

वृष-:आज व्यापार की दृष्टि से शुभ समय है। सब कुछ अपनी सामान्य गति से काम करेगा. नौकरीपेशा जातकों के लिए नए अवसर प्राप्त करने का उत्तम समय है।

मिथुन-:ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे होंगे। इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. भाई-बहन से किसी बात को लेकर मनमुटाव की स्थिति बन सकती है।

कर्क-:इससे आप अपनी व्यवसाय संबंधी समस्याओं को सुलझाने में पहल और अधिक रुचि ले सकेंगे। साझेदारी आपके लिए कुछ बेहतरीन प्रोत्साहन ला सकती है।

सिंह-:थोड़ी सी मेहनत से आप अपने लक्ष्यों को आसानी से हासिल कर सकते हैं। नए जोड़ों के जीवन में खुशियां बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्य की दृष्टि से आज का दिन बेहतर है।

कन्या-: व्यवसायी अपने व्यावसायिक कौशल और निर्णय लेने की क्षमता के कारण उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं। आपके लिए आर्थिक लाभ कमाने के अप्रत्याशित रास्ते भी खुलने की संभावना है।

तुला-: घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आपको अचानक धन लाभ के अवसर मिलेंगे। आपको भाग्य का पूरा सहयोग मिलेगा। घर के बुजुर्ग आपके काम से प्रभावित होंगे।

वृश्चिक-:आपके विरोधी निष्क्रिय रहेंगे और महत्वपूर्ण अधिकारियों से आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपको अपने सभी प्रयासों में सफलता मिलेगी और आपकी कुछ महत्वाकांक्षाएं पूरी होंगी।

धनु-:किसी काम में आपको सकारात्मक नतीजे मिलेंगे, जिससे आप खुशी महसूस करेंगे। आज कुछ पुराने दोस्तों से मुलाकात होने की भी संभावना है।

मकर-:आज का दिन आपके लिए परेशानी भरा हो सकता है। नौकरीपेशा जातकों के लिए यह समय कठिन हो सकता है। व्यावसायिक दृष्टि से चीजें यथावत रहेंगी।

कुंभ-:आज आपको किसी खास काम में किसी अनुभवी व्यक्ति से मदद मिल सकती है। आप परिवार के साथ कोई मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं।

मीन-:आज का दिन उत्तम है। जो लोग परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से नौकरी की तलाश में हैं या अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं उन्हें निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

वीरेंद्र सहवाग को आउट करना था बच्चों का खेल, ये बैटर पैदा करता था सबसे ज्यादा दिक्कतें, पाक गेंदबाज का दावा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज राणा नावेद उल हसन ने दावा किया है कि अपने खेलने वाले दिनों में भारतीय टीम में वीरेंद्र सहवाग को आउट करना सबसे आसान था जबकि राहुल द्रविड़ का विकेट निकालना बेहद मुश्किल। राणा नावेद उल हसन ने भारत और पाकिस्तान के बीच साल 2005 में खेली 6 मैचों की वनडे सीरीज का किस्सा याद किया, जिसे पाकिस्तान ने 4-2 से जीता था। राणा ने दावा किया कि उन्होंने एक मैच में इंजमाम उल हक से बातचीत करते हुए अनुमान लगा लिया था कि अगली गेंद पर वीरेंद्र सहवाग का विकेट ले लेंगे। राणा नावेद उल हसन ने नादिर अली पोडकास्ट में बातचीत करते हुए कहा, ''एक मैच में वीरेंद्र सहवाग अच्छा खेल रहे थे। मैं प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बना था। हम सीरीज में 2-0 से पिछड़ रहे थे। यह छह मैचों की वनडे सीरीज थी। सहवाग अच्छा खेल रहे थे। भारतीय टीम लगभग 300 रन बनाने के करीब थी। मैंने इंजी भाई से कहा कि गेंदबाजी करने दो। मैंने धीमी गति की बाउंसर गेंद डाली।'' 45 साल के राणा नावेद ने दावा किया किया उन्होंने स्लेजिंग के जरिये वीरेंद्र सहवाग को उकसाया और उन्हें गलत शॉट खेलने पर मजबूर किया। पूर्व पाक गेंदबाज ने कहा, ''मैं सहवाग के पास गया और कहा कि आपको नहीं पता कि कैसे खेलते थे। अगर आप पाकिस्तान में होते तो मुझे नहीं लगता कि कभी अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिलती। उन्होंने मुझे पलटकर कुछ बातें कही।'' राणा नावेद उल हसन ने आगे कहा, ''मैं जब अपने रन-अप पर लौट रहा था, तब इंजी भाई से कहा- अगली बॉल पर सहवाग आउट। वो हैरान थे। मैंने धीमी गति की गेंद डाली और गुस्से से भरे हुए सहवाग ने बड़ा शॉट खेलने की फिराक में अपना विकेट गंवा दिया। विकेट बहुत जरूरी थी और हम मैच जीत गए। यह तेज गेंदबाज की कुछ ट्रिक्स होती हैं।

बीच मैदान हसन अली को दौड़ता देख फैंस की छूटी हंसी, बोले- हवा का आया झोंका और उड़ गई टोपी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज गॉल में खेली जा रही है। दोनों टीमों के बीच 16 जुलाई से टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट मैच का आगाज हुआ। पहले टेस्ट के पहले दिन के खेल में एक मजेदार घटना घटी, जिसे देखकर फैंस काफी इंटरटेन हुए और ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। ये घटना 45वें ओवर का है जब पाकिस्तान के स्टार तेज गेंदबाज

हसन अली मैदान से दौड़कर भागते नजर आए। हसन को बीच मैदान अचानक दौड़ता देख फैंस ने जमकर मजे लिए। ये वीडियो खूब वायरल हो रहा है। दरअसल, श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर रहने वाले पाकिस्तान के स्टार तेज गेंदबाज हसन अली ने लाइमलाइट लूटी। 45वें ओवर के दौरान ब्रेक टाइम के वक्त वह मैदान के अंदर पहुंचे और ब्रेक टाइम खत्म होने से पहले दौड़ लगाते हुए नजर आए। इस दौरान वह हाथ में चश्मे पकड़े हुए दिखे और आंखों पर भी उन्होंने काला चश्मा लगा रखा था। इस दौरान दिलचस्प घटना घटी जिसे देखकर स्टैंड्स में बैठा हर शख्स काफी हंसने लगा। मैदान पर दौड़ते समय हसन की टोपी हवा में उड़कर पीछे गिरने लगी और हसन एक हाथ से टोपी गिरने से रोक दिया।

सम्पादकीय

बीमा क्षेत्र को बदल देगा संशोधित विधेयक; आर्थिक विकास को बढ़ावा और बड़े स्तर पर सृजित होगें रोजगार

यह विधेयक 1938 में बने बीमा कानून में संशोधन तो करेगा ही, 1999 के बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण कानून में भी बदलाव लाएगा। इस संशोधन के बाद यह कानून बड़े उद्यमों तथा बीमा कंपनियों के लिए भी फायदेमंद होगा। सरकार का मानना है कि इस विधेयक के पारित होने के बाद देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि बीमा और स्वास्थ्य सुरक्षा क्षेत्र में बड़ी तादाद में नई कंपनियां उतरेंगी, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित होगा। अब जबकि संसद का मानसून सत्र आ चला है, कई विधेयकों पर सभी की नजर है, जिनमें कुछ ऐसे भी हैं, जो आर्थिक, वित्तीय और कॉरपोरेट सेक्टर से जुड़े हुए हैं। इनमें एक ऐसा विधेयक है, जिसे सुधारवादी ही नहीं, रोजगार प्रेरक माना जा रहा है। यह बीमा कानून (संशोधन) विधेयक, 2023 है और पारित होने पर यह गेम चेंजर साबित हो सकता है। इसके पारित होने पर बड़े पैमाने पर रोजगार के रास्ते खुलेंगे और निवेश भी बढ़ेगा। इसे इसी सत्र में रखा जाएगा और लोकसभा में सत्तारूढ़ दल का बहुमत होने के कारण इसका पारित होना तय ही है। उम्मीद है कि इसे राज्यसभा में भी पारित होने में ज्यादा कठिनाई नहीं होगी।यह विधेयक 1938 में बने बीमा कानून में संशोधन तो करेगा ही, 1999 के बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण कानून में भी बदलाव लाएगा। इस संशोधन के बाद यह कानून बड़े उद्यमों तथा बीमा कंपनियों के लिए भी फायदेमंद होगा। सरकार का मानना है कि इस विधेयक के पारित होने के बाद देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि बीमा और स्वास्थ्य सुरक्षा क्षेत्र में बड़ी तादाद में नई कंपनियां उतरेंगी, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित होगा।विकसित देशों की तुलना में भारत में बहुत कम लोग व्यक्तिगत बीमा के अंदर आते हैं। लेकिन सरकार के प्रयासों और आर्थिक मदद की वजह से 2021 तक 51 करोड़ से भी ज्यादा लोगों का स्वास्थ्य बीमा हो चुका था। और इस मद में बीमा उद्योग की सकल प्रीमियम आय 470 अरब रुपये थी। भारत वैश्विक स्तर पर दुनिया का नवां बीमा प्रीमियम बाजार है, लेकिन देश की आबादी का महज 3.30 फीसदी ही जीवन बीमा के दायरे में है। इसे ध्यान में रखकर बीमा नियामक आईआरडीएआई ने 2047 तक 'सभी के लिए बीमा' का मिशन शुरू किया है, जिससे बीमा पैठ में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। इससे कारोबार करने में सुगमता को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी तथा क्षेत्र को अधिक निवेश-अनुकूल बनाने में सहायता मिलेगी। इससे 2027 तक ही भारतीय बीमा बाजार के 200 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। अभी भारत में महज 24 जीवन बीमा कंपनियां हैं और 31 सामान्य बीमा कंपनियां काम कर रही हैं। इस विधेयक के पारित होने के बाद सामान्य कंपनियां भी बीमा के कारोबार में कदम रख सकती हैं। यह विधेयक इस दृष्टि से अनूठा है कि इसमें बीमा कंपनी खोलने के लिए बाध्यकारी 100 करोड़ रुपये की सीमा को खत्म किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक कारोबारी इस क्षेत्र में कदम रख सकें। अब भारत में जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा एक साथ हो सकेंगे, जिससे बीमाधारक को बड़ी-बड़ी हेल्थ कंपनियों की सेवाएं बीमा के पैसे से ही मिल सकेंगी। अमेरिका-यूरोप में ऐसी व्यवस्था पहले से है। भारत में सरकार इस क्षेत्र में काम कर रही सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी घटाने का काम शुरू कर चुकी है। इससे इस क्षेत्र में निजी कंपनियों के लिए रास्ता खुलेगा। संसद के मानसून सत्र में इस बार कई और भी विधेयक रखे जाएंगे, जिनमें कंपनियों के दिवालिया होने पर आगे उनके अधिग्रहण को आसान बनाने के लिए भी एक विधेयक है, जिससे समय बर्बाद नहीं होगा और पुरानी कंपनी को कोई नई कंपनी अपने हाथ में ले सकेगी। दरअसल, यह 2016 में बनाए गए इंसॉल्वेंसी ऐंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) में संशोधन है, जिससे दीवालियापन की प्रक्रिया में तेजी आए और सबसे उपयुक्त दावेदार को शीघ्र उसकी जिम्मेदारी सौंपी जाए, ताकि संपत्ति बर्बाद न हो। इस बार कर कानूनों में संशोधन से भी जुड़ा विधेयक रखा जाएगा, जिससे टैक्स देने वालों को आसानी होगी और जटिलता खत्म होगी।

कांग्रेस के दिग्गज नेता ओमान चांडी का निधन, पार्टी नेताओं ने जताया शोक

कांग्रेस के अनुभवी नेता और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी का लंबी बीमारी के बाद मंगलवार की सुबह निधन हो गया है। ओमन चांडी के बेटे ने अपने पिता के निधन की पुष्टि की है। कांग्रेस ने अपने अनुभवी नेता के निधन पर शोक व्यक्त किया।कांग्रेस के दिग्गज नेता और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमान चांडी के निधन पर कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं ने शोक व्यक्त किया। दरअसल ओमान चांडी लंबे समय से बीमार चल रहे थे लेकिन आज सुबह उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ओमान चांडी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें दूरदर्शी नेता बताया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी अटूट प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व के साथ राज्य की प्रगति और देश की राजनीति पर एक अमिट छाप छोड़ी है।कांग्रेस ने शोक व्यक्त करते हुए ट्विटर पर कहा, ठकेरल के पूर्व मुख्यमंत्री और सम्मानित कांग्रेस नेता ओमन चांडी के निधन पर गहरा दुख हुआ। राजनीति में एक दिग्गज, केरल की प्रगति और विकास में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। एक सच्चे राजनेता, वह अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ गए हैं, जो पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। इस कठिन समय में उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदना। उनकी आत्मा को शाश्वत शांति मिले।पार्टी अध्यक्ष खरगे ने चांडी के निधन पर शोक व्यक्त किया और नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वह एक कट्टर कांग्रेसी थे, जो जनता के नेता के रूप में खड़े थे। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा, ठउनकी अटूट प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व ने केरल की प्रगति और देश के राजनीतिक परिदृश्य पर अमिट छाप छोड़ी। लोगों के प्रति उनके समर्पण और सेवा के लिए उन्हें याद किया जाएगा।

परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदना।कांग्रेस के अनुभवी नेता के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताया। पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, ठओमान चांडी जी के निधन से, हमने एक विनम्र और समर्पित नेता खो दिया है, जिन्होंने अपना जीवन सार्वजनिक सेवा के लिए समर्पित कर दिया और केरल की प्रगति के लिए काम किया। मुझे उनके साथ अपनी विभिन्न बातचीत याद है, खासकर जब हम दोनों हमारे संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के रूप में कार्य किया और बाद में जब मैं दिल्ली चला गया। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं। उनकी आत्मा को शांति मिल कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि चांडी एक असाधारण व्यक्तित्व और सच्चे जन नेता थे। उन्होंने ट्वीट किया, ठबहुत ही सादे और शिष्टाचार के राजनेता थे, जो 24□7 अपने मतदाताओं और केरल के लोगों के कल्याण के लिए अपना सब कुछ दे देते थे।जयराम रमेश ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में चांडी का कार्यकाल कई उपलब्धियों के लिए उल्लेखनीय था, जिनकी व्यापक रूप से सराहना की गई और संयुक्त राष्ट्र ने भी इसे मान्यता दी। उन्होंने कहा, ठमुझे उन्हें वर्षों से जानने का सौभाग्य मिला है और 10 साल पहले अट्टापदी में विभिन्न बस्तियों में हमारी संयुक्त यात्राएं मुझे अभी भी याद है ट्वीट में, कांग्रेस की केरल इकाई ने कहा, ठहमारे सबसे प्रिय नेता और पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी को विदाई देते हुए बेहद दुख हो रहा है। केरल के सबसे लोकप्रिय और गतिशील नेताओं में से एक, चांडी सर को पीढ़ियों और सभी वर्गों ने प्यार दिया था।ठ ट्वीट में कहा गया कि कांग्रेस परिवार को उनके नेतृत्व और ऊर्जा की कमी खलेगी पार्टी की केरल इकाई के प्रमुख के सुधाकरन ने भी चांडी के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा, ठप्रेम की शक्ति से दुनिया पर विजय पाने वाले राजा की कहानी का मार्मिक अंत हुआ। आज, मैं एक महान व्यक्ति, ओमन चांडी के निधन से बहुत दुखी हूं। उन्होंने अनगिनत व्यक्तियों के जीवन को प्रभावित किया और उनकी विरासत हमेशा हमारी आत्माओं में गूंजती रहेगी। शशि थरूर ने जताया शोक वरिष्ठ कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर ने कुछ महीने पहले एक ट्वीट शेयर किया था, जिसमें उन्होंने चांडी के जल्द स्वस्थ होने की कामना की थी, उस ट्वीट को टैग करते हुए कहा, ठदुख की बात है कि ऐसा नहीं हुआ। ओमन चांडी के निधन की खबर से लाखों लोग सदमा लगा हैं। इस अवर्णनीय दुखद समय में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले। ओम शांति।ठभारतीय युवा कांग्रेस ने चांडी के निधन पर शोक व्यक्त किया और ट्वीट किया, ठहम केरल के पूर्व सीएम और कांग्रेस के दिग्गज नेता ओमन चांडी के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं। वह विकास, लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता के चैंपियन थे।ठ पार्टी की युवा शाखा ने कहा, ठउन्होंने अपने समर्पण और करिश्मा से युवा नेताओं की पीढ़ियों को प्रेरित किया। हम उनकी आत्मा और उनके शोक संतप्त परिवार के लिए प्रार्थना करते हैं।

डॉ आंबेडकर क्या महज दलितों के नेता थे, आज भी प्रासंगिक है संविधानवेत्ता की सोच

जब तिलक ने 'स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है,' का नारा दिया था, तब डॉ. आंबेडकर ने,'अस्पृश्यता निवारण मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है,' कहा था। डॉ. भीमराव आंबेडकर क्या सिर्फ दलितों के नेता थे और क्या वह महिलाओं, शोषितों-वंचितों और गैरदलितों के नेता नहीं थे? डॉ. आंबेडकर को महज अछूतों का नेता कहने वाले कतिपय ब्राह्मण ही नहीं हैं, पिछड़ी जातियां जाट, अहीर, गुर्जर, लोध (अजगर) यानी शूद्र भी उन्हें केवल दलितों के नेता समझते रहे हैं। हिंदूकोड बिल ने महिलाओं को नागरिक की पहचान दी। हर क्षेत्र में पुरुषों के समान उनके पास अवसर, समान मताधिकार, संपत्ति अधिकार हैं। वैश्य, कायस्थ और ब्राह्मणों की तत्सम जातियां बन चुकी हैं। इसलिए उनका जाति छिपाना या दिखाना वैसा बहिष्कार नहीं है, जैसा दलित जातियों के लिए होता है। कोई उन्हें दलित न समझ ले, इसलिए अपवाद छोड़ कर गैर-दलित स्त्रियां भी डॉ. आंबेडकर के प्रति उदासीन रहती हैं। कृतज्ञ बचते हैं, दलित-अछूत। देश में जब धर्म परिवर्तन हो रहे थे। ज्योतिबा फुले युवा थे। दलित ईसाई और मुस्लिम बन रहे थे, तब 10 अप्रैल, 1875 को स्वामी दयानंद ने लाहौर में आर्य समाज की स्थापना की थी। लाहौर में ही संतराम बी.ए. ने 'जात-पात तोड़क मंडल' बनाया था। दो रुपये में मिलने वाली आर्यसमाज की सदस्यता शर्त थी, अपने बच्चों की शादियां जाति से बाहर ही करेंगे।' डॉ. आंबेडकर ने मंडल से प्रभावित होकर 1936 में लाहौर सम्मेलन के लिए अपना व्याख्यान लिखा। निष्कर्ष था 'हिंदू धर्मग्रंथों में जाति जब तक अपौरुषेय और धार्मिक व्यवस्था मानी जाती रहेगी, तब तक वह बनी रहेगी। सहभोजन और अंतरजातीय सहजीवन पूर्ण उपचार नहीं हैं।' एक बार गैर-ब्राह्मण नेताओं ने डॉ. आंबेडकर को प्रस्ताव दिया था, 'यदि आप घोषणा कर दें कि बहिष्कृत हितकारिणी सभा के आंदोलन में किसी ब्राह्मण को शामिल नहीं होने दिया जाएगा, तो हम दलितों के आंदोलन को अपने खर्चे पर संचालित करेंगें।' तब उन्होंने कहा था, "मैं किसी ब्राह्मण का विरोधी नहीं, ब्राह्मणवाद का विरोधी हूं, जो ब्राह्मण और कायस्थ नेता साथ हैं, उनकी समाज सुधार में प्रतिबद्धता है, तो वे साथ रहेंगे।' जब तिलक ने 'स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है,' का नारा दिया था, तब डॉ. आंबेडकर ने,'अस्पृश्यता निवारण मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है,' कहा था। दलितों के लिए अस्पृश्यतायुक्त स्वराज किस काम का था? विभूति पूजा आंबेडकर की प्राथमिकता में नहीं थी। मुंबई क्रॉनिकल के संपादक फिरोजशाह मेहता की स्मृति के बारे में पत्र-परिवार ने आंबेडकर से राय मांगी थी, तो उन्होंने उनकी मूर्ति स्थापित करने के बजाय उनके नाम से एक समृद्ध लाइब्रेरी खोलने की राय दी थी। तिलक के सुपुत्र श्रीधर बलवंत तिलक आंबेडकर के साथ आने पर तिलक ने उन्हें केसरी की पत्रकारिता से निकाल दिया था। आंबेडकर ने उन्हें 'समता समाज संघ' की पूना शाखा का उपाध्यक्ष बनाया था। बलवंत की आत्महत्या के बाद आंबेडकर ने समता पत्र उनकी स्मृति को समर्पित किया। शुक्रवार के दिन बलवंत ने आत्महत्या की थी। समता हर शुक्रवार को प्रकाशित होता था। सभ्यता के इस विकसित युग में संस्कृतियों के समावेश और विविधता पसंद लोकतांत्रिक युग में लोग किसी जाति विशेष के प्रति इतना घृणा भाव क्यों रखते हैं? स्मरण हो, संसद के भीतर उनका चित्र और बाहर उनकी प्रतिमा की स्थापना के लिए आंबेडकरवादी संगठनों ने लंबे समय तक आंदोलन किए थे। आज स्वयं सरकार पंचतीर्थ यानी विश्व स्तर के पांच स्मारक विकसित करने का श्रेय प्राप्त कर चुकी है। लंदन स्मारक शिक्षा भूमि, नागपुर दीक्षा भूमि, मुंबई चैत्यभूमि, मऊ शोध संस्थान जन्म भूमि, 24 अलीपुर परिनिर्वाण भूमि और आंबेडकर इंटरनेशनल मेमोरियल। परंतु समावेशी समाज सुधार तो अभी अधर में ही है। 24 सितंबर, 1924 को मुंबई में भय मुक्त सामाजिक न्याय और मानव गरिमा की सुरक्षा हेतु एक स्वयंसेवी संस्था 'अखिल भारतीय समता सैनिक दल' की स्थापना की गई। कमांडर इन चीफ थे भीमराव आंबेडकर। 1927 में हुए चावदार तालाब जल आंदोलन के समय 'समता सैनिक दल' ने बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने स्वयं प्रशिक्षण व हिदायत दी कि समता सैनिक न तो किसी पर हमला करेंगे और न कोई हिंसा किंतु अपने बचाव और मानव गरिमा की रक्षा जरूर करेंगे। सामाजिक उत्पीड़न, हिंसा और अन्याय से आत्म रक्षार्थ 'समता सैनिक दल' पुनः प्रासंगिक हो रहा है। 2024 में इसका शताब्दी वर्ष है। आज दलित महिलाओं का उत्पीड़न रोकने के लिए कांग्रेस काल से लंबित हर जनपद में 'दलित महिला आयोग' बनाने की आवश्यकता है और महिला सैनिकों में दलित बालिकाओं की भर्ती होना अपेक्षित है।

मानसून की दस्तक का पेट्रोल-डीजल की मांग पर पड़ा असर, जुलाई के पहले पखवाड़े में घटी मांग

देश में पेट्रोल और डीजल की खपत में जुलाई के पहले पखवाड़े में गिरावट आई है। आंकड़ों के अनुसार, मानसून के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश की वजह

से लोगों ने अपनी यात्रा की योजना टाल दी है। इसके अलावा कृषि क्षेत्र में भी ईंधन की मांग घट गई है। इससे पेट्रोल-डीजल की कुल मांग प्रभावित हुई है। देश में सबसे ज्यादा खपत वाले ईंधन डीजल की मांग एक से 15 जुलाई के दौरान 15 प्रतिशत घटकर 29.6 लाख टन रह गई। कुल ईंधन मांग में डीजल का हिस्सा करीब 40 प्रतिशत है। गर्मियों में वाहनों में 'एसी' का इस्तेमाल बढ़ने तथा कृषि क्षेत्र की मांग में उछाल से अप्रैल और मई में डीजल की मांग क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 9.3 प्रतिशत बढ़ी थी। मानसून के आने के साथ ही जून के दूसरे पखवाड़े से इसकी मांग घटने लगी थी। मासिक आधार पर डीजल की बिक्री में करीब 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। एक से 15 जून के दौरान डीजल की बिक्री 36.8 लाख टन रही थी। समीक्षाधीन अवधि में पेट्रोल की बिक्री भी 10.5 प्रतिशत घटकर 12.5 लाख टन रह गई। मासिक आधार पर पेट्रोल की बिक्री 10.8 प्रतिशत घटी है। भारत में मैन्यूफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर दोनों आगे बढ़ रहे हैं, जिससे देश में ईंधन की मांग भी तेज रही है। इसकी वजह से मार्च के दूसरे पखवाड़े में पेट्रोल और डीजल की मांग बढ़ी थी। हालांकि, मानसून के आगमन के साथ इन ईंधन की मांग सुस्त पड़ी है। एटीएफ की मांग 6.1 प्रतिशत बढ़ी हवाई यात्राओं में लगातार बढ़ोतरी के साथ विमान ईंधन (एटीएफ) की मांग एक से 15 जुलाई के दौरान पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 6.1 प्रतिशत बढ़कर 3,01,800 टन हो गई। यह जुलाई, 2021 के पहले पखवाड़े की तुलना में दोगुना से ज्यादा है।

अंतरिक्ष में परचम लहराने की तैयारी, 140 तक पहुंची टेक्नोलॉजी स्पेस स्टार्ट-अप्स की संख्या

वर्ष 2014 से पहले भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ा सिर्फ एक टेक्नोलॉजी स्पेस स्टार्ट-अप था, वहीं अब ऐसे स्टार्ट-अप की संख्या 140 तक पहुंच चुकी है।एक जमाने में भारत को सपेरों का देश कहा जाता था, लेकिन अब भारत अंतरिक्ष की दुनिया में एक महाशक्ति बनने की राह पर अग्रसर है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी भूमिका को पूरी तरह से बदल दिया है। वर्ष 2014 से पहले जहां भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ा सिर्फ एक टेक्नोलॉजी स्पेस स्टार्ट-अप था, वहीं अब ऐसे पंजीकृत स्टार्ट-अप की संख्या 140 तक पहुंच चुकी है। इसके अतिरिक्त भारत में ऐसी कंपनियों की संख्या 400 से ज्यादा हो गई है।अभी अंतरिक्ष सेवाएं देने के मामले में भारत अमेरिका, चीन, जापान और ब्रिटेन के बाद पांचवें स्थान पर पहुंच चुका है। अभी पूरी दुनिया की स्पेस इकनॉमी लगभग 30 लाख करोड़ रुपये की है, जिसमें भारत की हिस्सेदारी 57,431 करोड़ रुपये की है। लेकिन अगले पांच वर्षों में इसमें सालाना 48 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है, जिससे आगामी पांच वर्षों में भारत की स्पेस इकनॉमी चार लाख 10 हजार करोड़ रुपये की हो सकती है।भारत के स्टार्ट-अप सिर्फ मैन्युफैक्चरिंग तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सैटेलाइट और रॉकेट इंजन भी अपने देश में विकसित कर रहे हैं। इनमें से कुछ स्टार्ट-अप ने अगले एक दशक में 30 हजार सैटेलाइट लॉन्च करने का लक्ष्य रखा है। अब ज्यादातर भारतीय स्टार्ट-अप 'इनोवेशन' पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारतीय स्टार्ट-अप अपनी खुद की रिसर्च (अनुसंधान) और अपने ही देश के काबिल इंजीनियरों के बल पर काम कर रहे हैं। पूरी दुनिया में सबसे काबिल और सस्ते इंजीनियर हमारे इन्हीं स्टार्ट-अप में काम कर रहे हैं। इसलिए दुनिया की बड़ी से बड़ी

कंपनियां भारतीय स्टार्ट-अप में निवेश करने के लिए लाइन लगाकर खड़ी हैं।पिछले एक साल में भारत के स्टार्ट-अप्स को एक हजार करोड़ रुपये का नया निवेश मिला है, और इसमें लगातार वृद्धि हो रही है। इसका बड़ा कारण प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किया गया वह कार्यक्रम है, जिसका मकसद अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत को दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति बनाना है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अंतरिक्ष में नए-नए कीर्तिमान लगातार स्थापित कर रहा है। 2014 से लेकर अब तक इसने 44 स्पेस क्रॉफ्ट मिशन और 42 लॉन्च व्हीकल मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। अब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' भी इसरो के साथ काम करना चाहती है।चंद्रयान-3 पूरी तरह से 'मेड इन इंडिया' है। वर्ष 2019 में चंद्रयान-2 की विफलता के बाद यह भारत का तीसरा चंद्रयान मिशन है, जिसे आज आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया जाएगा। चंद्रयान-3 में भी उसी लॉन्चिंग व्हीकल का उपयोग किया गया है, जिसका चंद्रयान-2 में किया गया था। इस यान में कई वैज्ञानिक उपकरण हैं, जो चांद की सतह का अध्ययन करेंगे। इस साल मार्च में इस यान के जरूरी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए गए थे। इसमें चांद पर लॉन्चिंग के दौरान आ सकने वाली संभावित परिस्थितियों का आकलन किया गया था।चंद्रयान-3 में तीन मॉड्यूल क्रमशः प्रोपल्शन (प्रणोदन), लैंडर तथा रोवर हैं। 'प्रणोदन मॉड्यूल' में चांद की कक्षा से पृथ्वी के वर्णक्रमीय और ध्रुवीय माप का अध्ययन करने के लिए 'स्पेक्ट्रो पोलरिमेट्रिक ऑफ हैबिटेबल प्लेनेट अर्थ' (एसएचएपीई) नामक उपकरण है, और यह लैंडर तथा रोवर को चांद की कक्षा के 100 किलोमीटर तक ले जाएगा। इसके अलावा प्रणोदन मॉड्यूल में वैल्यू एडिशन के रूप में एक वैज्ञानिक उपकरण भी है, जिसे लैंडर मॉड्यूल के अलग होने के बाद संचालित किया जाएगा। लैंडर चांद के निर्दिष्ट स्थल पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने और रोवर को तैनात करने की क्षमता से लैस है, जो अपनी गतिशीलता के दौरान चांद का रासायनिक विश्लेषण करेगा। यदि इस बार चंद्रयान-3 का लैंडर चंद्रमा की सतह पर उतरने में सफल हो गया, तो भारत अमेरिका, रूस और चीन के बाद ऐसा कीर्तिमान रचने वाला दुनिया का चौथा देश बन जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

सभी विषयों में घुलेगी अब भारतीय ज्ञान की मिठास

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ला। देश की नई पीढ़ी भारतीय ज्ञान से जुड़े उन सभी पहलुओं से अब परिचित होगी, जिन्हें प्राचीन या पिछड़ा हुआ मानकर भुला दिया गया था। इस दिशा में स्कूल शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक बड़ी पहल की गई है। इसमें मौजूदा समय में पढ़ाए जा रहे प्रत्येक विषय या कोर्स में अब भारतीय ज्ञान की उस मिठास को घोला जा रहा है, जो न सिर्फ नई पीढ़ी को भारतीय होने का गर्व कराएगी, बल्कि उनके ज्ञान को दुनिया में एक नई पहचान

भी दिलाएगी।इस दिशा में अलग-अलग स्तर पर कोशिशें शुरू हो गई है। इसमें इससे जुड़ी विषय वस्तु को कोर्स में शामिल करने के साथ शिक्षकों को भी इस लिहाज से तैयार किया जा रहा है कि वह किसी विषय को पढ़ाने के दौरान उससे जुड़े उदाहरण या जानकारी छात्रों को जरूर बताएं। फिलहाल इस दिशा में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने अहम पहल की हैइसके तहत उनसे भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित एक पाठ्यक्रम भी डिजाइन किया है, जिसके महाभारत काल में कृषि और सिंचाई जैसी व्यवस्था, खगोल विज्ञान की वैदिक अवधारणाएं और वैदिक गणित, प्राचीन भारत की सुश्रुत संहिता में वर्णित की गई प्लास्टिक और मोतियाबिंद सर्जरी, रामायण काल में कृषि और सिंचाई की तकनीक आदि विषयवस्तु को भी प्रमुखता से जगह दी हैं। इसके साथ ही प्राचीन भारत में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े उन विद्वानों की भी जिक्र किया गया है, जिन्होंने भारतीय शिक्षा को एक नई ऊंचाई दी थी।इनमें जो प्रमुख नाम है, उसमें चरक, सुश्रुत, आर्यभट, वराहमिहिर, भास्कराचार्य, ब्रह्मगुप्त, चाणक्य, पाणिनी, पतंजलि, मैत्रेयी और गार्गी आदि विद्वान शामिल है। इसके साथ ही स्कूली शिक्षा के लिए जो नया पाठ्यक्रम तैयार किया जा रहा है।

सपा नोएडा महिला सभा की विधानसभा कमेटी घोषित

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। सेक्टर 122 स्थित अम्बेडकर सिटी में महानगर अध्यक्ष आश्रय गुप्ता के अध्यक्षता में वह महिला सभा की अध्यक्ष सुशीला पाल,राज कुमारी मोरिया, चंदा बेगम को उपाध्यक्ष जबकि बबीता देवी को कोषाध्यक्ष रजनी गुप्ता, रूबी देवी ,कुसुम ,आरती शर्मा ,लता चौहान, शिल्पी सिंह ,रेनू यादव, पदाधिकारियों को बधाई व शुभकामनाएं दी और सबको अपने अपने क्षेत्र में अपना बूथ मजबूत करने का निर्देश भी दिया कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में सुशीला भारती ,बब्बू यादव,

भारती के नेतृत्व में सपा नोएडा महिला सभा विधानसभा की कमेटी घोषित की गई जिसमें विनीता यादव को अध्यक्ष यासमीन खातून को महासचिव पूजा पटेल ,लक्ष्मी पार्वती ,उषा देवी, लीना शर्मा ,शीतल ठाकुर ,अर्चना को सचिव व कविता दास, प्रेमा देवी, रीना देवी को सदस्य बनाया गया। महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने सभी नवनियुक्त विकास यादव, गौरव कुमार यादव, महकार सिंह तवर, शिव कुमार यादव, रेणुका मेथी प्रतिमा पाठक, रूबी यादव ,शमा परवीन ,आशा जाटव मुख्य रूप से मौजूद रहे।

आर्थिक समृद्धि का पुराना गौरव हासिल करेगा भारत, बनेगा फिर से 'सोने की चिड़िया': आरबीआइ

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ला। भारत एक बार फिर 'सोने की चिड़िया' बना सकता है या यूं कहें कि मौजूदा आर्थिक विकास दर के जरिए इस सदी के अंत तक हम वैश्विक स्तर पर आर्थिक तौर पर वहीं मुकाम हासिल कर सकते हैं जो अंग्रेजों के आने से पहले मुगलकालीन भारत को हासिल था। यह बात भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को जारी अपनी मासिक रिपोर्ट (जुलाई, 2023) में कही है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था एक जबरदस्त बदलाव के मोड़ पर है और यह अपनी पूरी क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन करने की तरफ अग्रसर है।केंद्रीय बैंक ने पहले भी भारतीय की अर्थव्यवस्था की प्रगति को लेकर बड़े ऐलान किये हैं लेकिन इतनी आशावादिता पहली बार उसकी रिपोर्ट से सामने आई है। हालांकि हाल ही में अमेरिका की एक विख्यात शोध एजेंसी गोल्डमैन सैश ने कहा है कि भारत वर्ष 2075 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकोनोमी बन जाएगा।रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसा माना जा रहा है कि अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिहाज से भारत एक बड़े बदलाव के मोड़ पर है। मौजूदा आर्थिक विकास दर से ही यह मौजूदा सदी के अंत तक दुनिया की दूसरी सबसे बडी इकोनोमी बन सकता है। और

हो सकता है कि यह औपनिवेशिक शक्तियों के आने से पहले वर्ष 1700 तक विश्व अर्थव्यवस्था में इसका जो प्रभुत्व था उसे भी हासिल कर ले। इसके बाद आरबीआइ ने उन कारणों को बताया है जिसकी वजह से वह इतना आशावाद है।इसमें सबसे पहले देश में ढांचागत क्षेत्र की तेजी से बेहतर होती स्थिति का जिक्र किया है। केंद्रीय बैंक कहता है कि, हमने 60 लाख किलोमीटर से ज्यादा लंबी सड़कें बनाई हैं, दुनिया के कुछ बेहतरीन हवाई अड्डों का निर्माण किया है, ऐसा डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया है जिसकी पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है, सौर उर्जा संयंत्र स्थापित करने में इस साल दुनिया के सबसे बड़े देश बनने के कगार पर हैं।केंद्रीय बैंक फिर बताता है कि, भारत दुनिया में सेवा निर्यात के मामले में सातवें स्थान पर है।सूचना प्रौद्योगिकी के आगे अब विस्तार हो रहा है। डिजटलीकरण से कई तरह की नई संभावनाएं पैदा हो रही हैं। भारत का मैन्यूफैक्चरिंग उद्योग जैसे मशीनरी, इलेक्ट्रोनिक्स, वाहन आदि का वैश्विक स्तर पर प्रतिस्प?र्द्धी हो चुके हैं। जीडीपी में मैन्यूफैक्चरिंग का स्थान मौजूदा 17 फीसद से बढ़ कर वर्ष 2030 तक 25 फीसद बनने की राह पर है। भारत में जनसांख्यिकी का भी फायदा हो रहा है और यह श्रम आपूर्ति करने में एक बड़े स्त्रोत के तौर पर स्थापित हो रहा है। इसका असर निवेश पर भी होगा और ज्यादा लोगों को रोजगार मिलने से ज्यादा बचत भी होगी जिसका सकारात्मक असर वित्तीय विकास पर पड़ेगा।भारत ने हरित ऊर्जा की तरफ से कदम बढ़ाये हैं जिसमें निवेश की अपार संभावनाएं हैं। इसी रिपोर्ट में आरबीआइ की तरफ से एक आलेख भी प्रकाशित की गई है जिसका शीर्षक है सौंवें वर्ष में भारत (इंडिया एट 100)। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2047 तक भारत मौजूदा 7.6 फीसद की सालाना विकास दर के जरिए ही एक विकसित देश बन जाएगा। यह संभव है लेकिन आसान नहीं है। इसके लिए काफी निवेश और श्रम ढांचे में बडे पैमाने पर प्रशिक्षण की जरूरत होगी।

योगेश भाटी को सपा पिछडा वर्ग प्रकोष्ठ का प्रदेश सचिव मनोनीत किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। समाजवादी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव जी के निर्देशानुसार योगेश भाटी पुत्र स्वर्गीय मंगत सिंह भाटी, निवासी ग्राम सलारपुर खादर नोएडा गौतम बुध नगर को समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ में उत्तर प्रदेश की राज कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव बनाया गया, योगेश भाटी ने कहा कि वह पूरे प्रदेश में घर-घर जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियों को पहुंचाने का काम करेंगे और समाजवादी पार्टी को पूरे प्रदेश में मजबूत करने का काम करेंगे शीर्ष नेतृत्व ने जो उनके ऊपर भरोसा जताया है इसके लिए उन्होंने शीर्ष नेतृत्व को आभार प्रकट किया है।

भाजपा ने किया टिफ़िन लंच इसका उद्देश्य नए लोगों को जोड़कर पार्टी को और मजबूत करना- डॉ महेश शर्मा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। भाजपा द्वारा महाराणा प्रताप मण्डल के सेक्टर 34, अग्रवाल सेवा संदन में टिफ़िन लंच का आयोजन किया गया। नोएडा विधान

सभा क्षेत्र के ज़िला पदाधिकारी, मंडलों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अपने अपने घर से टिफिन में भोजन लाये और सबने एक साथ मिलाकर लंच किया। इस मौक़े पर सांसद डॉ महेश शर्मा, विधायक पंकज सिंह भी मौजूद रहे। सांसद डॉ महेश शर्मा ने कहा भाजपा संगठन में कार्यकर्ता को सम्मान मिलता है कार्यकर्ता ही संगठन की मजबूती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 9 साल के कार्यकाल में विभिन्न उपलब्धि की गई। देश ने विश्व पटल पर अपनी साख बनाई गई है जिसको अब हम सभी को हर कौने में पहुँचाना है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार फिर से प्रधानमंत्री बनाना है। विधायक पंकज सिंह ने भी कहा आज इतनी बड़ी-बड़ी योजनाएं जो मोदी सरकार चला रही हैं, जिसके चलते आज गरीबों को इन योजनाओं से सहारा मिला है। इस तरफ़ की टिफ़िन बैठक जो हम आगे अपने मंडलों में भी करनी है उसके माध्यम से सरकार की योजनाओं को लेकर जनता को हम कैसे जागरूक किया जाये इस पर भी चर्चा करनी चाहिए ताकि हर बूथ तक सरकार के सफल 9 वर्ष का कार्य पहुँचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नोएडा ज़िलाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने की साथ ही उन्होंने बताया कि इस तरफ़ के टिफ़िन लंच आगे भी सभी मंडलों में आयोजित होते रहेंगे। इस टिफ़िन लंच के माध्यम से हम सभी कार्यकर्ताओं से जुड़ेंगे और उनके मन कि बात भी करेंगे साथ सरकार द्वारा किए गये सभी विषयों पर चर्चा भी होती रहेगी। इसके बाद टिफ़िन लंच में सभी ने एक साथ भोजन किया और चर्चा भी की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल अग्रवाल, नबाब सिंह नागर, श्रीमती बिमला बाथम, महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, चंदगिराम यादव, डिम्पल आनंद, गोपाल गौड़, अशोक मिश्रा, कल्लू सिंह, लोकेश कश्यप, बबलू यादव, पंकज झा, सूरजपाल राणा, गिरीश कोटनाला, गिरजा सिंह, तन्मय शंकर, उमेश यादव, प्रमोद बहल, एस पी चमोली, रवि यादव, अहसान खान, गौतम शर्मा, शारदा चतुर्वेदी, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिलकिस केस में रिहाई के खिलाफ 7 अगस्त को अंतिम सुनवाई करेगा सभी दोषियों को भेजा जा चुका है नोटिस

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ला। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात दंगों में बिलकिस बानो के दुष्कर्म और स्वजनों की हत्या मामले में 11 दोषियों की रिहाई को चुनौती

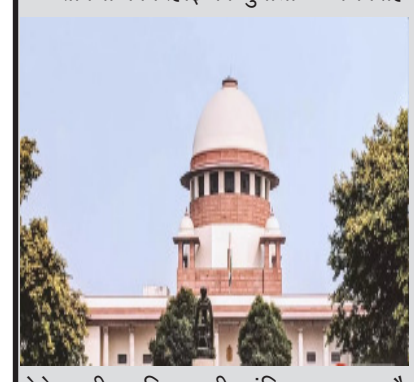

देने वाली याचिका की अंतिम सुनवाई शुरू करने की तारीख 7 अगस्त सुनिश्चित कर दी है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और उज्जवल भुयन की खंडपीठ ने कहा कि इस मामले में अदालत में जिरह हो चुकी है और सभी दोषियों को नोटिस भेजा जा चुका है। इसलिए अब अंतिम सुनवाई को सात अगस्त के लिए सूचीबद्ध किया जाता है। सभी पक्षों को अपने संक्षिप्त लिखित बयानों, मामले के सार और तिथियों की सूची के साथ आना होगा। सुनवाई के दौरान बिलकिस बानो की अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने कहा कि नोटिस स्थानीय अखबारों में एक जून को प्रकाशित हुए थे। और सात जून के संदर्भ में उन्होंने एक हलफनामा भी दाखिल किया है। याचिकाकर्ताओं की वकील इंदिरा जय सिंह और वृंदा ग्रोवर ने कहा कि सर्वोच्च अदालत के निर्देशानुसार उनके मामलों पर नोटिस जारी किया गया था। कोर्ट ने कहा कि सभी पक्षों को कुछ मुख्य मुद्दों और बहस पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। साथ ही याचिकाकर्ताओं के पास अपने जवाब देने के लिए तीन हफ्ते के समय है। उन्होंने दोषियों को उनकी रिहाई को चुनौती देने वाली याचिकाओं के खिलाफ जवाबी हलफनामा भी दायर करने को कहा है। उल्लेखनीय है कि गुजरात सरकार ने इस मामले के 11 दोषियों को सजा में छूट देते हुए पिछले साल 15 अगस्त को उन्हें जेल से रिहा कर दिया था। दोषियों की रिहाई के खिलाफ माकपा की नेता सुभाषिनी अली, स्वतंत्र पत्रकार रेवती लाल, लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति रूप रेखा वर्मा और तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने याचिकाएं दायर की हैं।

भारत का साफ संदेश, म्यांमार मामले में रणनीतिक हितों के मुताबिक लेगा फैसला

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ला। म्यांमार को लेकर भारत ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि वह अपने रणनीतिक हितों के मुताबिक फैसला करेगा। रविवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने म्यांमार के विदेश मंत्री यू थान स्वे के साथ मुलाकात की और इसमें द्विपक्षीय संबंधों के साथ ही कुछ

महत्वपूर्ण क्षेत्रीय संबंधों को लेकर विस्तार से चर्चा की। यह दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की पहली मुलाकात है भारत पर अमेरिका व पश्चिमी देशों का दबाव रहता है कि वह म्यांमार के सैनिक शासन को लेकर ज्यादा कड़ाई दिखाए लेकिन अपने रणनीतिक हितों को देखते हुए भारत सरकार के लिए ऐसा करना संभव नहीं है। यह मुलाकात भी बताती है कि भारत म्यांमार की मौजूदा सरकार के साथ अपने रिश्तों को पूरी तरह सामान्य बनाने की तरफ बढ़ गया है भारत पर अमेरिका व पश्चिमी देशों का दबाव रहता है कि वह म्यांमार के सैनिक शासन को लेकर ज्यादा कड़ाई दिखाए, लेकिन अपने रणनीतिक हितों को देखते हुए भारत सरकार के लिए ऐसा करना संभव नहीं है। यह मुलाकात भी बताती है कि भारत म्यांमार की मौजूदा सरकार के साथ अपने रिश्तों को पूरी तरह सामान्य बनाने की तरफ बढ़ गया है। भारत की तरफ से बताया गया है कि दोनों विदेश मंत्रियों के बीच भारत-म्यांमार-थाईलैंड के बीच सड़क संपर्क स्थापित करने के अलावा सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बहाली, मानव व मादक दवाओं की तस्करी को रोकने जैसे मुद्दों पर बात हुई विदेश मंत्री मेकांग गंगा सहयोग पर गठित समिति और बिम्सटेक देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए थाईलैंड में है। वहीं पर उनकी म्यांमार के विदेश मंत्री से मुलाकात हुई। जयशंकर ने म्यांमार और थाईलैंड से उक्त सड़क मार्ग से जुड़े काम को तेज करने का आग्रह भी किया। साथ ही म्यांमार में मानवीय स्थिति पर भी जयशंकर ने अपनी चिंताएं प्रकट की। म्यांमार की तरफ से उन्हें आश्वासन दिया गया कि वहां की सरकार आर्थिक विकास, शांति व लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए पांच सूत्रीय फार्मूले पर काम कर रही है। म्यांमार की सेना ने फरवरी, 2021 में आन सान सू की की सरकार का तख्ता पलट दिया था। इससे नाराज अमेरिका व पश्चिमी देश म्यांमार पर लगातार दबाव बना रहे हैं कि वहां फिर से लोकतंत्र की स्थापना हो। दूसरी तरफ चीन ने वहां की सेना को पूरा समर्थन देने की नीति अपना रखी है। भारत की म्यांमार के साथ 1,600 किलोमीटर लंबी सीमा है। पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा का मामला काफी हद तक म्यांमार से जुड़ा हुआ। यही वजहें हैं कि भारत लगातार म्यांमार के साथ रिश्तों को लेकर काफी सोच समझकर कदम उठाता है। भारत म्यांमार में कुछ बड़ी परियोजनाएं भी लगा रहा है। सोमवार को बैंकाक में बिम्सटेक देशों के विदेश मंत्रियों की भी बैठक हुई। यह बांग्लादेश, भारत, म्यांमार, श्रीलंका, नेपाल, भूटान और थाईलैंड का एक संगठन है जिसे भारत खासा महत्व दे रहा है। पाकिस्तान के रवैये की वजह से सार्क संगठन निष्क्रिय होने के बाद से भारत इस संगठन को ज्यादा बढ़ावा दे रहा है ताकि क्षेत्रीय सहयोग की प्रक्रिया चलती रहे। वर्ष 2016 में भारत ने इन देशों के प्रमुखों बैठक बुलाई थी। अब 30 नवंबर, 2023 को थाईलैंड में फिर से बिम्सटेक की शिखर बैठक होने वाली है जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हिस्सा लेने की संभावना है। भारत बिम्सेटक के सदस्य देशों के बीच बेहतर ढांचागत संपर्क स्थापित करने पर जोर दे रहा है बिम्सटेक बैठक से इतर जयशंकर ने सोमवार को नेपाल और बांग्लादेश के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की और आपसी हितों के विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने थाईलैंड के प्रधानमंत्री प्रयुत चान-ओ-चा से भी मुलाकात की और बिम्सटेक को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा की।

जनपद के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर मनाया गया एकीकृत निक्षय दिवस
अब तक आयोजित सात निक्षय दिवसों में मिले टीबी के 93 नये मरीज

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। जनपद के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर सोमवार को एकीकृत निक्षय दिवस मनाया गया। 15 और 16 तारीख को अवकाश होने के कारण इस बार 17 तारीख को एकीकृत निक्षय दिवस मनाया गया। शासन के निर्देश पर हर माह 15 तारीख को एकीकृत निक्षय दिवस मनाया जाता है। सोमवार को स्वास्थ्य केन्द्रों पर पहुंचे लोगों की टीबी को लेकर स्क्रीनिंग की गयी और जरूरत के हिसाब से उनके बलगम के सैंपल लिये गये। सभी की जांच रिपोर्ट आना बाकी है। पिछले माह 15 जून को मनाए गये निक्षय दिवस में 149 लोगों की स्क्रीनिंग में 19 लोगों में टीबी की पुष्टि हुई थी। अब तक मनाये गये सात निक्षय दिवसों में टीबी के 93 नये मरीज मिल चुके हैं। सभी का उपचार चल रहा है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ शिरीष जैन ने बताया- क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग लगातार जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। विभाग का प्रयास है कि वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त भारत की परिकल्पना को पूरा करते हुए जनपद को टीबी मुक्त बनाया जाए। उन्होंने बताया- शासन के निर्देश पर हर महीने की 15 तारीख को एकीकृत निक्षय दिवस मनाया जाता है। इस दिवस पर जनपद के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर ओपीडी में आने वाले दस प्रतिशत मरीजों की लक्षणों के आधार पर टीबी की स्क्रीनिंग की जाती है। कार्यक्रम के जिला समन्वयक अंबुज पांडेय ने बताया- जनपद में अब तक आठ एकीकृत निक्षय दिवस मनाए जा चुके हैं। पहला निक्षय दिवस 15 दिसम्बर 2022 को मनाया गया था, जिसमें मिले 202 संभावित मरीजों में से 191 के बलगम की जांच करायी गयी। जांच में 18 लोगों में टीबी की पुष्टि हुई। दूसरा एकीकृत निक्षय दिवस 16 जनवरी को मनाया गया, उस दिन 203 लोगों में टीबी से मिलते जुलते लक्षण पाये गये। इनमें से 182 लोगों के बलगम व अन्य जांच कराने पर 10 रोगी सामने आये। 15 फरवरी को आयोजित एकीकृत निक्षय दिवस पर 178 संभावितों में से 170 की जांच करायी गयी, जिसमें टीबी के 11 नये मरीज मिले। इसी तरह 15 मार्च को 148 संभावितों में से 147 की जांच करायी गयी, जिसमें 12 नये मरीज मिले। 15 अप्रैल को 136 लोगों की जांच में आठ नये मरीज मिले। मई में 163 लोगों की जांच की गयी, जिसमें 15 नये मरीज मिले। इसी तरह जून माह में मनाये गये निक्षय दिवस में 138 लोगों की जांच में 19 नये मरीज मिले। 17 जुलाई को मनाये गये आठवें एकीकृत निक्षय दिवस की रिपोर्ट आना अभी बाकी है। इस तरह सात एकीकृत निक्षय दिवसों में मिले 1193 संभावित मरीजों में से 1129 लोगों की बलगम की जांच की गयी, जिसमें 93 नये मरीज मिले। जिला पीपीएम कोऑर्डिनेटर पवन भाटी ने बताया अब तक मिले सभी मरीजों को निक्षय पोर्टल पर पंजीकृत करते हुए उनका उपचार शुरू कर दिया गया है। समय पर जांच व उपचार जरूरी जिला क्षय रोग अधिकारी का कहना है- क्षय उन्मूलन के लिए सबसे जरूरी है, टीबी मरीजों की शीघ्र पहचान होना। जितनी जल्दी पहचान, उतनी जल्दी उपचार। क्षय रोग इकाई का पूरा फोकस है कि टीबी मरीजों की जल्दी से जल्दी पहचान हो। उन्होंने बताया - पल्मोनरी (फेफड़ों की) टीबी मरीज के खांसने और छींकने से निकलने वाली बूंदों के सम्पर्क में आने से फैलती है। उपचार शुरू होने के बाद नियमित दवा लेने पर करीब एक से दो माह बाद संक्रमण फैलने की आशंका कम हो जाती है। हर हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर है बलगम कलेक्शन की सुविधाः जिला क्षय रोग अधिकारी ने बताया - 17 सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों सहित जनपद के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर बलगम कलेक्शन की सुविधा है। इसके अलावा ग्रामीण इलाकों में क्षेत्रीय आशा कार्यकर्ता और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) की मदद से टीबी जांच करायी जा सकती है। टीबी के लक्षण डा. जैन ने बताया- दो सप्ताह से अधिक खांसी, खांसते समय बलगम और खून आना, सीने में दर्द, शाम के समय बुखार और वजन कम होना आदि टीबी के लक्षण हैं। लक्षण नजर आने पर टीबी की जांच अवश्य कराएं।

फ्लॉप हो जाएगी गदर', रिलीज से पहले जब हर किसी ने सनी देओल से कही थी ये बात, एक्टर ने किया चौंकाने वाला खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। सनी देओल की गदर 2 रिलीज के नजदीक पहुंच रही है। इस बीच फिल्म की स्टारकास्ट भी जोर-शोर से प्रमोशन कर रही है। अब गदर 2 के लीड एक्टर्स अमीषा पटेल और सनी देओल द कपिल शर्मा शो में पहुंचे।गदर 2 के लीड एक्टर सनी देओल और अमीषा पटेल इन दिनों फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। अब हाल ही में दोनों द कपिल शर्मा शो में पहुंचे जहां कपिल संग इन्होंने खूब मस्ती की। इस बीच सनी देओल ने साल 2001 में रिलीज हुई गदर को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया। कपिल शर्मा संग गदर 2 ने जमकर मस्ती की और दर्शकों को खूब एंटरटेन किया। अब शो के कई सारे प्रोमो वायरल हो रहे हैं। शो में सनी देओल की एंट्री के साथ ही कपिल ने उनसे एक मजेदार सवाल पूछा। द कपिल शर्मा शो के सेट पर सनी देओल तारा सिंह के गेटअप में पहुंचे। वहीं, अमीषा पटेल पिंक कलर की साड़ी में पहुंची। एक्टर की एंट्री के साथ ही होस्ट ने उनसे पहला सवाल पूछते हुए कहा, सनी पाजी आप हर जगह तारा सिंग के लुक में जा रहे हैं, तो अर्चना जी पूछ रही थीं कि आप आज यहां अपनी कार में आए हैं या ट्रक चलाकर आए हैं।इस पर सनी देओल ने अर्चना की ओर इशारा करते

हुए कहा, मुझे लगा इन्हें भी ले जाना है तो ट्रक सही रहेगा। एक्टर का जवाब सुन ऑडियंस हंस-हंस कर लोटपोट हो गई।कपिल शर्मा ने गदर 2 को लेकर बात करते हुए आगे सनी पाजी से फिल्म से उनके जुड़ाव के बारे में पूछा। इस पर उनके जवाब ने सभी को चौंका दिया। उन्होंने बताया कि जब गदर रिलीज हुई थी, तब हर किसी ने उनसे कहा था कि ये फिल्म नहीं चलेगी, क्योंकि ये एक पंजाबी फिल्म है। हालांकि, दर्शकों को फिल्म बेहद पसंद आई थी। सनी देओल के इस कमेंट पर शो में मौजूद दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाई। सनी देओल ने कहा, ठएक्साइटेड हूं, लेकिन घबराहट भी है। जब फिल्म रिलीज हुई थी, तब इंडस्ट्री में हर कोई...(अंगूठे से नीचे की ओर इशारा करते हुए), लेकिन जिस तरह से लोगों ने फिल्म को सपोर्ट किया, हर कोई बदल गया।गदर 2 साल 2001 में आई फिल्म गदर एक प्रेम कथा का सीक्वेल है। इस फिल्म में एक मुस्लिम लड़की और एक सिख लड़के की लव स्टोरी दिखाई गई थी। दोनों फिल्मों का डायरेक्शन अनिल शर्मा ने किया है।

वरुण की फिल्म से पहले डायरेक्ट ओटीटी पर इन फिल्मों ने मचाया 'बवाल'

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की जोड़ी जल्द ही बवाल में नजर आने वाली है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी 'बवाल' के टीजर से लेकर ट्रेलर और गानों को लोगों ने काफी पसंद किया है। इस फिल्म में रोमांस के साथ-साथ फैंस को फुल ऑन सस्पेंस भी देखने को मिलेगा।वरुण धवन और जाह्नवी कपूर स्टारर रोमांटिक-सस्पेंस थ्रिलर फिल्म बवाल डायरेक्ट ओटीटी पर दस्तक देगी। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी ये फिल्म 21 जुलाई 2023 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। बवाल से पहले साल 2023 में कई बड़े मेकर्स ने बिग स्क्रीन को छोड़कर डायरेक्ट ओटीटी प्लेटफॉर्म को चुना। उनकी फिल्में डायरेक्ट ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई। पहले जाह्नवी कपूर और वरुण धवन स्टारर इस फिल्म को मेकर्स

सिनेमाघरों में रिलीज करने वाले थे, लेकिन बाद में मेकर्स ने अपना फैसला बदल दिया। अब ये फिल्म 21 जुलाई यानी कि तीन दिन बाद डायरेक्ट ओटीटी प्लेटफॉर्म 'अमेजन प्राइम वीडियो' पर रिलीज होगी। वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की इस फिल्म से पहले शाहिद से लेकर सोनम सहित कई बड़े सितारों की फिल्म 2023 में सीधे ओटीटी पर बवाल मचा चुकी हैं। अगर आपसे कोई फिल्म मिस हो गई है।

तापसी पन्नू कब कर रही हैं शादी सवाल पूछे जाने पर कहा- मैं अभी प्रेग्नेंट नहीं हूं

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। तापसी पन्नू पिछले काफी समय से सोशल मीडिया पर एक्टिव नहीं हैं। एक शॉर्ट ब्रेक के बाद एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ चिटचैट किया। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाने का कारण बताया। इसके साथ ही दें कि तापसी ने आखिरी पोस्ट एक जुलाई को डाला था। पहले की तरह उनके कम एक्टिव होने पर एक फैन ने उनसे इसका कारण पूछ डाला।इसी तरह एक अन्य फैन ने पूछा कि वह शादी कब कर रही हैं। इस पर एक्ट्रेस ने हाजिरजवाबी देते हुए कहा, ''मैं अभी प्रेग्नेंट नहीं

एक्ट्रेस ने अपनी शादी से जुड़े सवाल पर भी मजेदार बात कही। उन्होंने अपकमिंग फिल्मों की जानकारी भी फैंस के साथ शेयर की। तापसी पन्नू को फिल्म इंडस्ट्री में लंबा समय बीत चुका है। एक्ट्रेस को उनके फैंस जल्द ही शाह रुख खान की डंकी में देखेंगे जो कि इस साल दिसंबर में रिलीज होगी। हाल ही में एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया सेशन रखा जहां उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्मों के साथ ही शादी कब करेंगी इस सवाल का भी जवाब दिया।तापसी पन्नू ने फिल्म इंडस्ट्री में 'पिंक', 'जुड़वा 2' जैसी कुछ फिल्में कर अपनी जगह बनाई है। एक्ट्रेस ने इंस्टा चिटचैट सेशन में बताया कि सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा टॉक्सिटी और निगेटिव वातावरण के कारण उन्होंने इश प्लेटफॉर्म से दूरी बनाने का फैसला किया। बता हूं। तो फिलहाल तो बिल्कुल नहीं। जब शादी करूंगी तो आपको बता दूंगी।'' तापसी पन्नू के बैडमैंटन प्लेयर टर्न कोच मैथियास बो के साथ रिलेशन में होने की चर्चा है।तापसी पन्नू के वर्कफ्रंट की बात करें, तो पिछले साल छह फिल्मों की रिलीज के बाद एक्ट्रेस इस साल शाह रुख खान की फिल्म 'डंकी' में नजर आएंगी। तापसी पन्नू इन दिनों तमिल फिल्म 'एलियन' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इंस्टाग्राम पर उन्होंने इस फिल्म से जुड़ी थोड़ी सी अपडेट शेयर की। एक्ट्रेस ने बताया कि यह हाई कॉन्सेप्ट फिल्म है। फिल्म का नाम एलियन है, लेकिन वह एलियन के रोल में नहीं हैं। इसके अलावा फैंस उन्हें 'वो लड़की हैं कहां', 'फिर आई हसीन दिलरूबा' और 'जन गण मन' में देखा जाएगा।

मिस्ट्री-थ्रिलर के साथ रिश्तों के बनने-बिगड़ने की कहानी 'कोहरा', सुविंदर-सोबती की दमदार अदाकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। क्राइम थ्रिलर्स की भीड़ में अगर कोई ऐसी वेब सीरीज आपको बिंज वॉच करने के लिए मजबूर कर दे, जिसमें सितारों की चकाचौंध ना हो तो समझिए लेखक-निर्देशक का मकसद पूरा हो गया। शनिवार को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई क्राइम वेब सीरीज कोहरा कुछ इसी मिजाज की सीरीज है।कोहरा का निर्देशन रणदीप झा ने किया है जो इससे पहले हलाहल का निर्देशन और ट्रायल बाई फायर सह-निर्देशन कर चुके हैं। सीरीज में सुविंदर विक्की और बरुण सोबली लीड रोल्स में हैं। मूल रूप से पंजाबी भाषा में बनी सीरीज सस्पेंस से भरपूर है और अंत तक अपने किरदारों के जरिए जकड़कर रखती है। पूरा रिव्यू यहां पढ़िए।लेखन, निर्देशन और अभिनय के स्तर पर चुस्त सीरीज स्क्रीनप्ले कसा हुआ है। दृश्यों का देसीपन इसकी रूह है। शोर-शराबे की तमाम गुंजाइश होने के बावजूद सीरीज सहजता के साथ आगे बढ़ती है और इसमें चार चांद लगाती है सिर्फ भावों के जरिए किरदारों की खामोशी। सस्पेंस अंत तक बनाकर रखने की कोशिश की गयी है, मगर कहानी में घटनाएं इस तरह मोड़ लेती है कि एक वक्त के बाद कहानी

प्रेडिक्टेबल होने लगती है।हालांकि, रफ्तार से बह रही कहानी में उस मोड़ के आने तक 'कोहरा' पूरी तरह छा चुका होता है और प्रेडिक्टेबिलिटी का एहसास दृश्यों के रोमांच को खत्म नहीं कर पाता, क्योंकि वहां कहानी और किरदारों की वो परत खुल रही होती है, जो इसे मर्डर मिस्ट्री से इतर सोशल ड्रामा का रूप देता है। 'कोहरा' के किरदार वास्तविकता के करीब हैं, इसीलिए दोषयुक्त हैं और पहचाने लगते हैं। कोहरा की कथाभूमि पंजाब का काल्पनिक गांव जगराना है, जहां शादी के लिए लंदन से आये हुए अप्रवासी भारतीय पॉल ढिल्लों (विशाल हांडा) का कत्ल हो जाता है। लाश खेत में मिलती है। उसके साथ लंदन से आया गोरा दोस्त लियाम मर्फी (इवानटी नोवाक) गायब हो जाता है।केस की छानबीन सब इंस्पेक्टर बलबीर सिंह (सुविंदर विक्की) और सहायक सब इंस्पेक्टर अमरपाल गरुंडी (बरुण सोबती) कर रहे हैं। जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, शक के घेरे में अपने ही आने लगते हैं। इधर, बलबीर सिंह की अपनी जिंदगी भी उलझनों से घिरी हुई है।इनसे निपटते हुए मीडिया और विभागीय दबाव के बीच उसे इस हाइ प्रोफाइल मर्डर केस की गुत्थी सुलझानी है। इस हत्या के पीछे एक ऐसा राज छिपा है, जिसके खुलने के बाद ढिल्लों परिवार पर बिजली गिर जाएगी।

बिग बॉस ओटीटी 2 में लगा हेल्थ कैंप, जिया ने चेक किए बेबिका के दांत 'कुत्ते' से तुलना पर भड़कीं फलक नाज

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी 2 में इन दिनों खूब बवाल देखने को मिल रहा है। जब से वाइल्ड कार्ड एंट्री एल्विश यादव घर में आए हैं, तब से घर का माहौल ही बदल गया है। हाल ही में घर में एक हैं। ऐसे में अभिषेक मल्हान (पेपव् ईर्त्ह) उर्फ फुकरा इंसान आंखों के डॉक्टर बने। वहीं, जिया डेंटिस्ट और अविनाश फिजियोथेरेपिस्ट के रोल में नजर आए। अब गेम कुछ ऐसा था कि इन्हें चार कंटेस्टेंट्स को बुलाकर एक का इलाज करना बातों की सड़न दिखाई दी है मुझे।इस हंसी मजाक के टास्क के बाद घर का माहौल कुछ गर्म हो गया। दरअसल, एल्विश ने फलक, जिया और जैद की तुलना कुत्तों से कर दी। अभिषेक और एल्विश बरतन धो रहे थे, तभी अविनाश वहां आए

टास्क हुआ, जिसमें सभी को अलग-अलग तरह के डॉक्टर के रोल में देखा गया। दरअसल, बिग बॉस के घर में हेल्थ कैंप लगाया था। इस टास्क में जिया शंकर, अभिषेक मल्हान और अविनाश सचदेव को डॉक्टर का रोल प्ले करना था। तीनों को चार कंटेस्टेंट्स को चुनना था, जिसे वह अपना पेशंट बनाना चाहते था। अभिषेक ने एल्विश यादव को चुना। उन्होंने कहा कि एल्विश समझ नहीं पा रहे कि, उन्हें क्या करना है, और वह दिशाहीन हैं। वह एल्विश के दिमाग पर स्थिति स्कोप लगाकर कहते हैं कि यह तो खाली है।इसी तरह जिया डेंटिस्ट बनकर बेबिका के दांत चेक करती हैं। वह कहती हैं कि दातों की नहीं, और उन्होंने कुछ कह दिया, जिसके बाद एल्विश कु गुस्सा आ गया, और उन्होंने भी पलटवार करने के लिए तगड़ा जवाब दिया। एल्विश ने इस लड़ाई में फलक, जिया और जैद को भी चपेटे में ले लिया। उन्होंने कहा- कुत्ते भौंक रहे हैं। एल्विश की ये बात फलक को अच्छी नहीं लगी और उन्होंने खूब हंगामा किया।

औंधे मुंह गिरी कार्तिक-कियारा की फिल्म, सोमवार को कमाए बस इतने लाख

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' 19 दिनों से सिनेमाघरों में टिकी हुई है। इस फिल्म में दोनों की जोड़ी फैंस को काफी पसंद आ रही है। भूल-भुलैया 2 के बाद कार्तिक-कियारा एक बार फिर से समीर विद्वांस की फिल्म में रोमांस फरमाते नजर आए। इस फिल्म की ओपनिंग काफी अच्छी हुई थी। वीकेंड पर भी फिल्म ऑडियंस को थिएटर तक खींच लाने में सफल रही है, लेकिन अब धीरे-धीरे फिल्म का कलेक्शन घट रहा है। सोमवार को सिंगल डे पर फिल्म की कमाई काफी ज्यादा घट गई। कार्तिक आर्यन की लास्ट रिलीज 'शहजादा' दर्शकों को कुछ खास रास नहीं आई थी। हालांकि, सत्यप्रेम की कथा के साथ कार्तिक आर्यन ने फिर से दमदार वापसी की। उनकी और कियारा आडवाणी स्टारर इस फिल्म ने सिंगल डे पर लगभग 9 करोड़ से

ओपनिंग की थी। पहले हफ्ते में फिल्म का कलेक्शन वीक डे पर भी अच्छा रहा, लेकिन 19 दिनों में फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर काफी उतार-चढ़ाव देखा।

पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट ने बनाया रिकॉर्ड, सबसे ज्यादा टॉप चार्ट एल्बम देने वालीं बनी पहली महिला

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। हॉलीवुड की पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट अपनी हालिया रिलीज एल्बम 'स्पीक नाउ' के साथ सबसे ज्यादा सफल एल्बम देने वाली पहली महिला सिंगर बनी हैं। बिलबोर्ड चार्ट ने सोमवार को अपनी एक लिस्ट जारी की, जिसमें टेलर स्विफ्ट ने डेब्यू के किया और साथ ही पॉप क्वीन के एक एल्बम ने 12वें नंबर पर अपना दबदबा बनाते हुए फीमेल सिंगर में सबसे ज्यादा बिलबोर्ड चार्ट्स में शामिल होने वालीं बारबरा स्ट्रीसंड को भी पछाड़ दिया है।बिलबोर्ड ओर्जेनाइजेशन ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए ये भी बताया कि पिछले 60 साल के करीब ये पहली बार है जब 10 गानों में से किसी महिला सिंगर के चार गाने एक ही समय पर टॉप चार्ट में हैं। 33 साल की पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट के नाम एक ये रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है।बिलबोर्ड की टॉप चार्ट की लिस्ट में उनके मिडनाइट, लवर्स और फोकलोर शामिल हैं। बिलबोर्ड ने ये 200 शीर्ष एल्बम की लिस्ट में

11 गाने पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट के हैं। स्विफ्ट की रिकॉर्ड तोड़ने वाली उपलब्धि तब सामने आई जब उन्होंने अपने 'एरास' टूर पर प्रशंसकों के सामने अपने कई बेहतरीन और सुपरहिट गाने गाए।आपको बता दें कि पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट सोशल मीडिया पर भी काफी पॉपुलर हैं। 33 साल की टेलर स्विफ्ट इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के मामले में हॉलीवुड सिंगर सेलेना गोमेज और अमेरिकन सोशलिस्ट कड़ी टक्कर देती हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 268 मिलियन के करीब प्रशंसकों की लिस्ट है।टेलर स्विफ्ट ने 2004 में अपना पहला रिकॉर्डिंग कॉन्ट्रेक्ट साइन कर लिया था। उन्हें उनके दूसरे ही एल्बम 'फियरलेस' के लिए चार ग्रैमी अवॉर्ड्स मिले थे। वह सबसे कम उम्र में ग्रैमी जैसा प्रतिष्ठित अवॉर्ड जीतने वाली महिला सिंगर थीं। पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट ने अब तक 11 ग्रैमी, 23 एमएम और 29 बिलबोर्ड, 40 अमेरिकन म्यूजिक अवॉर्ड्स अपने नाम किये। आपको बता दें कि सोशल मीडिया पर हाल ही में पॉप सिंगर की पंजाबी और हिंदी एक्टर दिलजीत दोसांझ के साथ एक फोटो इंटरनेट पर खूब वायरल हुई थी, जिसके बाद दोनों के अफेयर की खबरों ने जोर पकड़ा था।

विजय वर्मा की होने वाली 'पत्नी' पर ही हुआ एसिड अटैक कालकूट का ट्रेलर आउट

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। विजय वर्मा फिल्म इंडस्ट्री के टैलेंटेड एक्टर हैं, जिन्होंने 'डार्लिंग्स', 'शी' और 'दहाड़' जैसी फिल्मों और वेब सीरीज में अपनी काबिलियत साबित की है। उनकी

हालिया रिलीज सीरीज 'लस्ट स्टोरीज 2' को भी काफी पसंद किया गया था। अब जल्द ही विजय अपनी नई सीरीज के साथ ओटीटी पर तहलका मचाने वाले हैं। लस्ट स्टोरीज 2 के बाद विजय वर्मा अपनी नई वेब सीरीज कालकूट के साथ एक बार फिर ओटीटी पर छा जाने के लिए तैयार हैं। विजय वर्मा की अपकमिंग सीरीज का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। सीरीज में विजय वर्मा पुलिस ऑफिसर बनकर एक ऐसा केस सॉल्व करेंगे जो उनकी जिंदगी बदल देगी। देखिए सीरीज का मजेदार ट्रेलरविजय वर्मा की अपकमिंग सीरीज 'कालकूट' इन दिनों चर्चा में है। कुछ दिन पहले ही इस वेब शो का टीजर रिलीज किया गया था। अब विजय वर्मा ने इसका ट्रेलर रिलीज किया है। इसे शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा है-ट्रेलर की शुरुआत विजय वर्मा के इस्तीफा लेटर से होती है। महज तीन महीने पहले पुलिस बने विजय वर्मा अपनी नौकरी से इस्तीफा देने का फैसला कर लेते हैं।इस्तीफा में विजय वर्मा कहते हैं, 'पिछले तीन महीनों में मैंने जो कुछ भी इस थाने में होते हुए देखा। उसे देखकर आगे नौकरी करने की इच्छा जुटा नहीं पा रहा हूं।' हालांकि, सीनियर पुलिस ऑफिसर्स उनका इस्तीफा कैंसिल कर देते हैं और उन्हें एक एसिड अटैक का केस दे दिया जाता है।विजय को जिस लड़की के एसिड अटैक का केस सॉल्व करने के लिए मिलता है, वह उनकी मां के द्वारा एक्टर की शादी के लिए चुनी गई लड़की थी। ट्रेलर में देखा जा सकता है कि विजय अपने ही सिस्टम से लड़कर इस केस को सॉल्व करते हैं। इस ट्रेलर को काफी पसंद किया जा रहा है।विजय वर्मा स्टारर 'कालकूट' 27 जुलाई से जियो सिनेमा पर फ्री में स्ट्रीम होगा।

प्रणिता सुभाष ने छुए पति के पैर, ट्रोल करने वालों को भी दिया करारा जवाब

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। तेलुगू एक्ट्रेस प्रणिता सुभाष सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। प्रणिता का कहना है कि उनकी फील्ड ग्लैमर के लिए जानी जाती है, लेकिन इसका ये

मतलब बिल्कुल नहीं है कि वो रीति-रिवाजों से दूर हो जाएं। वह आम महिला की तरह अपने ट्रेडिशनल को अच्छे से फॉलो करती हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ है। एक्ट्रेस प्रणिता सुभाष ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर की है जिसमे वह पति के पैर छूती नजर आ रही हैं । बता दें प्रणिता आम महिला की तरह अपने ट्रेडिशनल को अच्छे से फॉलो करती हैं । इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ है । दरअसल, एक्ट्रेस ने 17 जुलाई को भीमना अमावस्या पर पूजा की। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया पर इस सेलिब्रेशन की फोटो शेयर की। फोटो में वह अपने पति के पैर छूती नजर आ रही हैं। इस फोटो के साथ प्रणिता ने एक लंबा-चौड़ा मैसेज भी लिखा- 'आज सुबह भीमना अमावस्या के अवसर पर मैंने पूजा की है। आपके लिए ये पितृसत्ता का शो ऑफ हो सकता है (पिछले साल मैंने मीम्स देखे थे) लेकिन मेरे लिए, ये बहुत खास है। सनातन धर्म में, ज्यादातर रिचुअल्स के पीछे एक कहानी होती है कि ये क्यों महत्वपूर्ण है। ये तर्क देना कि हिंदू रीति-रिवाज पितृसत्तात्मक हैं। ये पूरी तरह से निराधार है, क्योंकि ये उन कुछ आस्थाओं में से एक है, जहां देवी-देवताओं की समान रूप से पूजा की जाती है। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने ट्रोल करने वालों को करारा जवाब भी दिया है। बता दें, पिछले साल भी एक्ट्रेस ने पति के पैर छूते हुए तस्वीर साझा की थी, जिसके बाद उन्हें काफी ट्रोल किया गया था। सलवार-सूट पहने एक्ट्रेस जमीन में पति नितिन राजू (नूपर्ह रल्) के पैरों में बैठी दिखाई दी थी। बस इसी बात पर यूजर्स नाराज हो गए थे और उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया था। ऐसे में अब उन्होंने ट्रोलर्स को पहले ही जवाब दे दिया है। प्रणिता सुभाष ने 2021 में बिजनेसमैन नितिन राजू के साथ शादी की थी। एक्ट्रेस एक बेटी की मां हैं। उन्होंने अपनी बेटी का नाम अर्ना रखा है। एक्ट्रेस के फिल्मी करियर की बात करे तो, प्रणिता सुभाष ने 2010 में कन्नड़ फिल्म पोर्की से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इस फिल्म में उनके साथ दर्शन लीड रोल में थे। पोर्की की सफलता के बाद प्रणिता अपने प्रोजेक्ट को लेकर काफी सेलेक्टिव हो गईं। पोर्की के बाद प्रणिता के पास कई कन्नड़ फिल्मों के ऑफर आये, लेकनि उन्होंने सबको ठुकरा दिया। कन्नड़, तेलुगु और तमिल फिल्मों में अपनी पहचान बनाने के बाद प्रणिता ने 'हंगामा 2' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद वो अजय देवगन के साथ फिल्म भुज में भी नजर आई, लेकिन बॉलीवुड में उन्हें कोई खास कामयाबी नहीं मिली।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।